राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 12 जनवरी 2024 वर्ष–6,अंक–348 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देवराहा बाबा से खाई लात, अंबाजी के दर्शन को गई गुजरात

फिर रामलला से दूर क्यों सोनिया गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि मौजूदा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता विपक्ष अधीर रंजन चौधरी 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होंगे। इसके बाद सबसे ज्यादा आलोचनाएं सोनिया गांधी को झेलनी पड़ रही हैं। उन्हें सनातन विरोधी करार दिया जा रहा है और सोशल मीडिया पर तमाम तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। कई लोग उन्हें हिन्दू विरोधी और हिन्दू देवी-देवताओं का भी विरोधी करार दे रहे हैं। हालांकि, ऐसा नहीं है क्योंकि 1968 में राजीव गांधी से शादी करने के बाद जब वह भारत में रहने लगीं तो उनकी सास इंदिरा गांधी उन्हें 1979 में गुजरात के प्रसिद्ध अंबाजी मंदिर ले गई थीं। उस वक्त इंदिरा सबसे खराब राजनीतिक हालात से गुजर रही थीं। 1980 के लोकसभा चुनावों से ऐन पहले इंदिरा का अपनी बहू के साथ उस मंदिर में जाना और पूजा करना फलदायी साबित हुआ था। इंदिरा गांधी तब 531 में से 353 सीटों पर प्रचंड जीत के साथ सत्ता में लौटकर आई थीं। उस वक्त मोरारजी देसाई की सरकार थी।

दूसरी बार पहुंची थीं अंबा जी मंदिर

शादी के बाद से ही अपने सिर पर साड़ी का पल्लू रखने वालीं सोनिया 1989 में अपने प्रधानमंत्री पति राजीव गांधी के साथ दोबारा इस मंदिर में गई थीं। हालांकि, तब के चुनावों में कांग्रेस की हार हुई थी और राजीव गांधी की सरकार चली गई थी। 1989 के चुनावों के बाद देश में दूसरी बार गैर कांग्रेसी सरकार बनी थी। वीपी सिंह तब प्रधानमंत्री बने थे, जिन्हें बीजेपी भी समर्थन दे रही थी।

देवराहा बाबा से भी ले चुकी हैं आशीर्वाद

1989 के चुनावों के समय ही सोनिया गांधी अपने पति राजीव के साथ उत्तर प्रदेश के वृंदावन के पास बने आश्रम में देवराहा बाबा से भी आशीर्वाद लेने गई थीं। देवराहा बाबा जमीन से छह फीट की ऊंचाई पर बने लकड़ी के एक मचान पर बैठा करते थे और श्रद्धालुओं को अनोखे अंदाज में लात मारकर आशीर्वाद देते थे। राजीव और सोनिया ने तब उनका आशीर्वाद पाया था।

बालाजी तिरुपति मंदिर पहुंची थीं सोनिया

1998 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी सोनिया गांधी आंध्र प्रदेश के तिरुपति स्थिति बालाजी के मंदिर में दर्शन करने पहुंची थीं। तब वह कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष थीं। उनकी तिरूपति यात्रा के तुरंत बाद, कांग्रेस कार्य समिति ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि हिंदू धर्म भारत में धर्मनिरपेक्षता की सबसे बड़ी गारंटी है।

वरिष्ठ पत्रकार राशिद किदवई ने इंडिया टुडे में लिखे एक आलेख में इसका जिक्र करते हुए लिखा है कि तब तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के अध्यक्ष सुब्बिरमी रेड्डी ने सोनिया गांधी को तिरुपति मंदिर का दर्शन कराया था, जिसका काफी विरोध हुआ था। किदवई के मुताबिक, तब सोनिया गांधी ने मंदिर की डायरी में लिखा था कि वो अपने पति और अपनी सास के धर्म का पालन करती हैं।

ईसाई धर्म का पालन नहीं करतीं सोनिया

1999 में जब 13 महीने बाद ही फिर से लोकसभा चुनाव होने लगे तब बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सोनिया गांधी के धर्म का मुद्दा जोर-शोर से उठाया था। संघ परिवार ने तब राम राज्य बनाम रोम राज्य का मुद्दा छेड़ा था। तब भारत में रोमन कैथोलिक एसोसिएशन ने अभूतपूर्व घटनाक्रम में इस पर बयान जारी कर इस बात को खारिज किया था कि सोनिया गांधी ईसाई कैथोलिक धर्म का पालन करती हैं। उन चुनावों में बीजेपी की जीत हुई थी और तीसरी बार अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनी थी जो पहली बार पांच साल चली थी।

अयोध्या से किनारा क्यों?

कांग्रेस पार्टी का मानना है कि अयोध्या में 22 जनवरी का कार्यक्रम बीजेपी और संघ परिवार का राजनीतिक कार्यक्रम है, जिसका मकसद लोकसभा चुनावों में हिन्दू मतदाताओं का ध्रुवीकरण करना है। इसलिए पार्टी ने उस आयोजन से खुद को किनारा कर लिया है। दरअसल, पार्टी सॉफ्ट हिन्दुत्व के लाइन पर चलती रही है और इसके पीछे अल्पसंख्यक वोट एक बड़ा कारण रहा है, जबकि बीजेपी हार्ड हिन्दुत्व के एजेंडे पर चलकर बहुसंख्यक हिन्दू वोटरों को लुभाने की कोशिश जारी रखे हुए है।

'पिछले जन्म में कोई पुण्य किया', रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण मिलने पर मोहन भागवत ने जताई खुशी

नई दिल्ली। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हजारों वीआईपी शिरकत करने वाले हैं। राजनीति से लेकर खेल जगत तक के दिग्गज हस्तियों को राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति आमंत्रित कर रहे हैं।

इसी बीच गुरुवार को विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार और राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत को 22 जनवरी के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। आमंत्रण मिलने पर खुशी जताते हुए मोहन भागवत ने कहा, इस भव्य प्रसंग में मुझे वहां (अयोध्या) उपस्थिति का आमंत्रित किया गया है, यह एक सौभाग्य है। इस देश की जो मर्यादा है और पवित्रता है उसकी स्थापना पक्की होने का प्रसंग है। हम स्वतंत्रता का जो स्व है वो हमारा मर्यादा है।

गांव-गांव में राम मंदिर उद्घाटन की खुशी- मोहन भागवत

जिनको निमंत्रण मिला है वो आएंगे, परंतु इस अवसर पर गांव-गांव में इस बात का उत्साह है। मैं इस 22 जनवरी को अयोध्या में मौजूद रहूंगा, यह तो ऐसा लगता है कि मैंने किसी जन्म में पुण्य किया होगा तो मुझे यह अवसर मिला है।

बता दें कि भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेंगे। बता दें कि रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पीएम मोदी मुख्य यजमान होंगे।

सोनिया गांधी सहित कई नेताओं ने ठुकराया निमंत्रण

बात करें विपक्षी नेताओं की तो बुधवार को कांग्रेस नेताओं ने इस समारोह से दूरी बनाने का फैसला कर लिया है। वहीं, सीपीएम, शिवसेना (यूबीट) समेत कई विपक्षी नेताओं ने इस समारोह में शामिल न होने का फैसला किया है।

कन्नौज में पुलिस मुठभेड़ में लुटेरा ढेर,दूसरा घायल

कन्नौज। उत्तर प्रदेश में कन्नौज जिले के गुरुसहायगंज क्षेत्र में पुलिस ने गुरुवार सुबह एक सशस्त्र मुठभेड़ में एक शातिर अपराधी को मार गिराया जबकि दूसरा घायल हो गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मारा गया शातिरगुरसहायगंज में पांच जनवरी को हुयी लूट का आरोपी है। आज सुबह करीब साढ़े सात बजे पुलिस ने चेकिंग के दौरान बाइक सवार दो बदमाशों का रुकने का इशारा किया मगर बदमाशों ने चेतावनी को नजरअंदाज करते हुये पुलिस पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में एक लुटेरा मौके पर ढेर हो गया जबकि दूसरे को पैर में गोली लगने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मारे गये लुटेरे की पहचान इजहार निवासी समधन गुरसहायगंज के तौर पर की गयी है जबकि तालिब को अस्पताल ले जाया गया है। मुठभेड़ में दो पुलिस कांस्टेबल अमन सिंह व विनय कुमार भी घायल हुए है। सभी को हॉस्पिटल रवाना किया गया। उन्होने बताया कि लुटेरो के कब्जे से लगभग 250 ग्राम सोना, 500 ग्राम चांदी के अलावा चार लाख 30 हजार रुपये नगद बरामद किये गये है। पूछताछ के दौरान पता लगा है कि लुटेरों के एक अन्य साथी ने लूटे गये जेवरात एक सुनार को बेचे हैं। जिस पर कार्यवाही की जा रही है। मुठभेड़ में शामिल पुलिसकर्मियों को अपर पुलिस महानिदेशक ने 50 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।

22 जनवरी को अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे आडवाणी !

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता, देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए देशभर में आंदोलन करने वाले लालकृष्ण आडवाणी 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे। आडवाणी के कार्यक्रम में शामिल होने की पुष्टि उन्हें कार्यक्रम का निमंत्रण देने के लिए संघ नेताओं के साथ गए विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने की है। आईएएनएस के साथ खास बातचीत करते हुए विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि जब वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल और रामलाल के साथ लालकृष्ण आडवाणी को 22 जनवरी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए निमंत्रण देने गए थे तो उनके स्वास्थ्य को लेकर

चर्चा हुई, लॉजिस्टिक्स की चर्चा हुई कि उन्हें अयोध्या आने के लिए क्या-क्या व्यवस्था की जरूरत होगी, वो कार्यक्रम में कितनी देर बैठ सकेंगे,क्या उनके लिए कोई डॉक्टर उपलब्ध रह सकता है, क्या पूरे समय के लिए उनके साथ कोई व्यक्ति रह सकता है। विहिप नेता ने आईएएनएस को बताया कि इस चर्चा के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल ने लालकृष्ण आडवाणी के कार्यक्रम में शामिल होने को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उनका कार्यक्रम में शामिल होना जरूरी है, महत्वपूर्ण है और सब चाहते हैं कि वो अयोध्या आएं। कृष्ण गोपाल ने लालकृष्ण आडवाणी के परिवार को आश्वासन दिया कि लालकृष्ण आडवाणी के अयोध्या आगमन के लिए जिस-जिस व्यवस्था की आवश्यकता होगी और जो भी व्यवस्था वो चाहेंगे, वो सारी व्यवस्था की जाएगी। विहिप के अंतर्राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष ने आडवाणी के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें प्रसन्नता है कि अपने स्वास्थ्य के ठीक न होने के बावजूद 96 वर्ष की आयु में उन्होंने कार्यक्रम में आना (अयोध्या) स्वीकार किया है।

गिरिराज सिंह ने कांग्रेस को बताया

सीज़नल हिंदू, 'प्राण प्रतिष्ठा' के निमंत्रण को अस्वीकार करने पर कहा

पटना। कांग्रेस द्वारा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार करने पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, ये लोग सीज़नल हिंदू हैं, जब उन्हें लगता है कि उन्हें वोट लेना है तो वे सॉफ्ट हिंदू बनने की कोशिश करते हैं। कांग्रेस में तो जवाहरलाल नेहरू से लेकर अब तक कोई अयोध्या नहीं गया है। मामले को कोर्ट में लटकाने का काम तो कांग्रेस पार्टी ने ही किया था इसलिए इनमें अयोध्या जाने की नैतिक ताकत नहीं है। आपको बता दे कांग्रेस ने अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण ठुकरा दिया है। मल्लिकार्जुन खड़गे,सोनिया गाँधी समते कांग्रेस का

कोई भी नेता प्राण प्रतिष्ठा में नहीं जायेगा। कांग्रेस ने कहा -भाजपा आरएसएस ने वर्षो से अयोध्या में राम मंदिर को एक राजनितिक परियोजना बना दिया है। एक अर्धनिर्मित मंदिर का उद्घघाटन केवल चुनावी लाभ उठाने के लिए किया जा रहा है।

भाजपा से बौद्धों को जोड़ेगा यह नेता, मुस्लिमों के लिए भी प्लान; दिल्ली में पीएम मोदी करेंगे बड़ी मीटिंग

नई दिल्ली। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद भाजपा लोकसभा चुनाव के अभियान में जुटने वाली है। पीएम नरेंद्र मोदी पहले ही अनौपचारिक तौर पर एक तरह से चुनावी दौरे शुरू कर चुके हैं। केरल, तमिलनाडु और लक्षद्वीप जैसे देश के दक्षिणी हिस्सों में वह जा चुके हैं। इसके अलावा गुजरात और महाराष्ट्र भी वह पहुंच हैं। अगले कुछ दिनों में वह यूपी समेत कई उत्तर भारत के रायों का भी दौरा करेंगे। यही नहीं दिल्ली में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी परिषद की बड़ी मीटिंग भी हो सकती है। इस मीटिंग में खुद पीएम नरेंद्र मोदी रहेंगे और संबोधित करेंगे। यह एक तरह से चुनाव की तैयारियों के लिए औपचारिक ऐलान होगा। इस मीटिंग में पीएम नरेंद्र मोदी इलेक्शन कैंपेन की टोन तय कर सकते हैं। पिछले दिनों उन्होंने स्नेह यात्राओं का प्रस्ताव रखा था और अब चुनाव से पहले एक बार फिर

से अल्पसंख्यकों को लुभाने की कोशिश हो सकती है। भाजपा की ओर से मोदी मित्र करीब 250 लोकसभा सीटों पर उतारे जा सकते हैं। यही नहीं बौद्ध मत के लोगों को भी लुभाने का प्रयास होगा। इसके लिए पार्टी के नेता दुष्यंत गौतम को जिम्मेदारी दी जा सकती है। वहीं मुस्लिमों के बीच मोदी मित्र अल्पसंख्यक मोर्चे के बैनर तले जाएंगे। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी कई बार दोहरा चुके हैं कि हमें अल्पसंख्यकों का भी भरोसा जीतना है। पीएम मोदी कई बार भाजपा सांसदों से भी कह चुके हैं कि वे तीन तलाक के मामले को जनता तक ले जाएं। इसके अलावा अल्पसंख्यकों को केंद्र सरकार की योजनाओं से क्या फायदे मिल रहे हैं, इसके बारे में भी जनता को बताने को कहा है। भाजपा फिलहाल टीम 2024 के गठन में भी जुटी है। इसमें संगठन में काम करने वाले लोग बड़ी संख्या में शामिल किए जाएंगे। खासतौर पर 8 लोगों की टीम आम चुनाव से जुड़ी जिम्मेदारियां संभालेगी। इनमें केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव, अश्विनी चौबे और असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा शामिल रहेंगे।

टीम 2024 में होंगे ये 8 नेता, किस को क्या मिलेगा काम

यही नहीं भाजपा के संगठन महामंत्री बीएल संतोष, महासचिव विनोद तावड़े, सुनील बंसल और तरुण चुग भी टीम का हिस्सा होंगे। इसके अलावा भाजपा का विजन डॉक्युमेंट तैयार करने का जिम्मा राधा मोहन अग्रवाल को सौंपा गया है। वहीं बौद्ध पंथ के लोगों को जोड़ने की जिम्मेदारी दुष्यंत गौतम को सौंपी गई है।

दुनिया के सबसे ताकतवर पासपोर्ट्स में बढ़ा भारत का कद, नीचे से चौथे नंबर पर पाकिस्तान

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे ताकतवर पासपोर्ट वाले देशों की ताजा सूची जारी हो चुकी है। इस सूची में भारत 80वें स्थान पर है। वहीं, शीर्ष पायदान पर एक नहीं बल्कि 6 देश काबिज हैं। ये देश 194 स्थानों पर अपने नागरिकों को वीजा फ्री एंट्री की ताकत रखते हैं। खास बात है कि लिस्ट में भारत का पड़ोसी पाकिस्तान शीर्ष 100 देशों में भी शामिल नहीं है।

भारत की स्थित

लिस्ट में भारत को 80वें स्थान पर रखा गया है। नागरिक 62 देशों में बगैर वीजा के यात्रा कर सकते हैं। साल 2023 में भारत इस लिस्ट में 83वें स्थान पर था। लिस्ट में भारत के साथ 80वें स्थान पर उज्बेकिस्तान का नाम भी शामिल है। भारत के एक और पड़ोसी चीन को 62वीं रैंकिंग मिली है और उसके साथ पपुआ न्यू गिनी भी इसी पायदान पर है। 104 देशों की सूची में अंतिम स्थान पर अफगानिस्तान है।

टॉप 5 में ये देश शामिल

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की 2024 की रैंकिंग के अनुसार, पहले पायदान पर फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, सिंगापुर और स्पेन हैं। वहीं, दूसरे स्थान पर फिनलैंड, दक्षिण कोरिया और स्वीडन हैं। इन तीन देशों के पासपोर्टधारकों को 193 स्थानों

लिस्ट में भारत को 80वें स्थान पर रखा गया है। नागरिक 62 देशों में बगैर वीजा के यात्रा कर सकते हैं। लिस्ट में भारत के साथ 80वें स्थान पर उज्बेकिस्तान का नाम भी शामिल है।

पर वीजा फ्री एंट्री मिलती है। तीसरे स्थान पर ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, आयरलैंड और नीदरलैंड्स हैं। चौथा स्थान पांच देश मिलकर साझा कर रहे हैं। इनमें बेल्जियम, लक्समबर्ग, नॉर्वे, पुर्तगाल और ब्रिटेन का नाम शामिल है। जबकि, पांचवे स्थान में ग्रीस, माल्टा और स्विट्जरलैंड हैं।

यूरोपीय देशों की लंबी छलांग

ताकतवर पासपोर्ट्स के लिहाज से 2024 यूरोपीय देशों के लिए खुशखबरी लेकर आया है। कहा जाता है कि सूची में पहले स्थान के लिए जापान और सिंगापुर के बीच जंग छिड़ी रहती है, लेकिन इस बार कई यूरोपीय देशों ने छलांग लगाने में सफलता हासिल की है। पहले स्थान पर दो एशियाई देशों के साथ चार यूरोपीय देश शामिल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

महाराष्ट्र से संदेश

महाराष्ट्र में शिवसेना के विभाजन से जुड़ा विवाद अगले चरण में पहुंच गया। बुधवार शाम शिवसेना बनाम शिवसेना मामले पर फैसला सुनाते हुए महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने स्पष्ट कर दिया कि शिवसेना के संविधान के अनुसार, उद्धव ठाकरे के पास एकनाथ शिंदे को विधायक दल के नेता पद से हटाने की कोई शक्ति नहीं है। इसका सीधा अर्थ यह हुआ कि विधानसभा अध्यक्ष ने शिवसेना के शिंदे गुट को ही अब असली शिवसेना मान लिया है। विधानसभा अध्यक्ष ने अपने निर्णय को न्यायोचित ठहराने के लिए शिवसेना के संविधान का सहारा लिया है। वैधानिक रूप से शिवसेना अब एकनाथ शिंदे के हाथों में आ गई है। महाराष्ट्र में यह जो हुआ है, उसका अंदाजा शिवसेना के उद्धव गुट को पहले से ही था। जाहिर है, उद्धव ठाकरे के पास सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। संभव है, सर्वोच्च न्यायालय विधानसभा अध्यक्ष के फैसले की समीक्षा करे। अत- यह विवाद अभी खत्म नहीं हुआ है। इसके कई अध्याय अभी चुनाव, सदन, सड़क और न्यायालय में लिखे जाने हैं। शिवसेना उद्धव गुट की शिकायत पर भी गौर करना अनुचित नहीं है। विधानसभा अध्यक्ष अपने फैसले से पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिलने के लिए गए थे। मतलब, न्याय देने वाला वास्तव में आरोपी से मिलने गया और फैसला आरोपी के पक्ष में आया, इसी दलील के साथ उद्धव ठाकरे को सर्वोच्च न्यायालय में लड़ना पड़ेगा। हालांकि, उन्हें यह ध्यान रखना होगा कि जिस आधार पर विधानसभा अध्यक्ष ने फैसला किया है, क्या वह सही है? कानून इसके बारे में क्या कहते हैं? अगर फैसला सुनाते समय पार्टी और देश के संविधान की अवहेलना हुई है, तो यह बात तथ्य और तर्क के साथ उद्धव ठाकरे को सर्वोच्च न्यायालय में पेश करनी पड़ेगी। पिता बाला साहेब ठाकरे द्वारा गठित पार्टी को आधिकारिक रूप से भी पुन- पाने के लिए उद्धव ठाकरे को कानूनी रूप से मजबूत होना पड़ेगा। इसमें तो कोई दोराय नहीं कि उद्धव ठाकरे कमजोर हो गए थे और पिता की पार्टी को एकजुट नहीं रख पाए। पार्टी के अंदर ही सत्ता संघर्ष 2022 में तब शुरू हुआ, जब एकनाथ शिंदे ने लगभग 50 विधायकों के समर्थन के साथ तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ विद्रोह का बिगुल बजा दिया। समस्या यह हुई कि सदन में बहुमत सिद्ध करने के बजाय उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और इस्तीफे के साथ ही न्यायालय में उनका पक्ष कमजोर हो गया। जब 30 जून 2022 को एकनाथ शिंदे भाजपा की मदद से मुख्यमंत्री बने, तब उद्धव का और कमजोर होना सुनिश्चित हो गया। शिवसेना का यह विभाजन अपने आप में एक मिसाल है, उन पार्टियों के लिए जो एक परिवार आधारित हाईकमान के साथ चल रही हैं। लोकतंत्र में पार्टियां पुश्तैनी नहीं होतीं, उन्हें व्यापक जनाधार और खुले नेतृत्व के आधार पर ही बेहतर चलाया जा सकता है। बाला साहेब का अपना व्यवहार था कि उनकी पार्टी किले के समान मजबूत थी, पर जब किला उद्धव ठाकरे के हाथों में आया, तब एकनाथ शिंदे ने उसे अपने संख्या बल से तोड़ दिया। यह व्यवहार अनैतिक हो सकता है, पर राजनीतिक रूप से अलोकतांत्रिक नहीं। अब संदेश केवल शिंदे के लिए नहीं, उद्धव व अन्य सभी दलों के अध्यक्षों के लिए भी है कि राजनीतिक दल किसी की मनमानी या तानाशाही से नहीं, मिल-जुलकर लोकतांत्रिक ढंग से चलाए जाने चाहिए।

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

समाज में अपराध के खिलाफ सशक्त सोच बने

विश्वनाथ सचदेव

पिछले डेढ़ साल में पहली बार बिलकिस बानो के चेहरे पर मुस्कान आयी है। सामूहिक बलात्कार और हत्या के अपराधियों को सज़ा में मिली छूट के खिलाफ बिलकिस बानो की याचिका पर निर्णय देते हुए उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में 11 अपराधियों को मिली छूट को धोखाधड़ी (फॉड) कहा है। और गुजरात सरकार की इस कार्रवाई को अनधिकार चेष्टा भी। उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार बलात्कार और हत्या के इन ग्यारह दोषियों को यदि सज़ा में कोई छूट मिलती भी है तो वह गुजरात सरकार के नहीं, महाराष्ट्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आती, जहां न्यायालय ने सज़ा सुनाई थी। ज्ञातव्य है कि आजीवन कारावास की सज़ा भुगत रहे इन अपराधियों को सन् 2002 के गुजरात दंगों के दौरान 'अमानुषिक अपराध' करने के लिए दोषी पाया गया था। संभव है न्यायालय के नवीनतम निर्णय को देखते हुए अब यह अपराधी महाराष्ट्र सरकार से सज़ा की छूट पाने की कोशिश करें। ज्ञातव्य यह भी है कि डेढ़ साल पहले जब इन अपराधियों को गुजरात सरकार ने अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए सज़ा में छूट दी थी तो जेल से छूटने पर इन अपराधियों का सार्वजनिक स्वागत हुआ था, इन्हें मालाएं पहनाई गयी थीं, माथे पर तिलक लगाया गया था। यही नहीं, विश्व हिंदू परिषद जैसी संस्थाओं ने इन्हें नायक की तरह प्रस्तुत किया था। एक गर्भवती महिला के साथ सामूहिक बलात्कार करने और बिलकिस की 3 वर्ष की बच्ची समेत उसके परिवार के सात सदस्यों की हत्या करने वालों को मान देने की मानसिकता पर भी आज सवाल उठाना ज़रूरी है। न्यायालय ने अपना काम किया है, आगे भी कानून के शासन के ऐसे उदाहरण मिलते रहेंगे। न्याय के लिए लड़ने वाली बिलकिस बानो को देश में समर्थन भी मिला है। उम्मीद की जानी चाहिए कि आगे भी इस तरह का समर्थन पीड़ितों को मिलता रहेगा। लेकिन सवाल जो उठता है वह यह है कि कानून के शासन में विश्वास करने वाले समाज में अपराधियों को समर्थन देने की मानसिकता कैसे और क्यों पनपती है। डेढ़ साल पहले जब यह ग्यारह अपराधी जेल से बाहर आये थे तो मालाएं पहनाकर इनका स्वागत करने वालों को भी अपराधी क्यों न माना जाये? कानून भले ही ऐसे तत्वों को अपराधी न मानता हो, पर आपराधिक मानसिकता के आरोप से ये मुक्त नहीं हो सकते। यह अवसर इस मानसिकता के खिलाफ भी आवाज उठाने का है। सामूहिक बलात्कार को अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार 'मनुष्यता के खिलाफ अपराध' माना गया है। किसी भी सभ्य समाज में ऐसे अपराध के लिए सज़ा होनी चाहिए। साथ ही, अपराधी वे भी हैं जो ऐसे अपराध को समर्थन देते हैं, महिमा-मंडित करते हैं। कुछ ही अर्सा पहले हमने मणिपुर में भी एक घृणित कृत्य होते देखा था। वहां महिलाओं को निर्वस्त्र करके सड़कों पर घुमाया गया, उनके साथ दुराचार हुआ और समाज का एक वर्ग तमाशबीन बना देखता रहा। सच तो यह है कि यह व्यवहार बलात्कार के अपराध से कम नहीं है। मणिपुर की उन अभागी महिलाओं को न्याय कब मिलेगा, मिलेगा भी या नहीं, पता नहीं। पर सवाल उठता है कि उन अपराधियों को सज़ा दिये जाने की बात क्यों नहीं होती जो ऐसे अपराधों को या तो मूक समर्थन देते रहते हैं, या फिर ऐसे अपराधियों को मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन करते हैं। कौन हैं वे लोग, जिन्होंने बिलकिस बानो और उसके परिवार के साथ अत्याचार करने वालों का जेल से बाहर आने पर स्वागत-सत्कार किया? यह ग्यारह लोग निरपराधी घोषित होकर जेल से नहीं छूटे थे, 'इन्हें 'सद व्यवहार' के नाम पर सज़ा में छूट दी गयी थी, इसलिए ये बाहर आए थे। यह सही है कि हमारे देश में इस छूट का प्रावधान है, पर क्या यह भी सही नहीं है कि कुछ अपराध ऐसे भी होते हैं जिनमें सज़ा में इस तरह की छूट नहीं होनी चाहिए? बलात्कार अपने आप में जघन्य अपराध है, सामूहिक बलात्कार और भी बड़ा अपराध है, और बलात्कार करके हत्या करना इस बड़े से भी बड़ा अपराध! जेल की सज़ा के दौरान 'सद व्यवहार' के नाम पर ऐसे अपराधियों को यदि कोई छूट मिलती है तो विवेक का तकाज़ा है कि उस पर सवालिया निशान लगे। सवाल यह भी है कि यदि अपराधी अपने कृत्य पर खेद प्रकट नहीं करता, यह अनुभव नहीं करता कि उससे कोई गलती ही नहीं, अपराध हुआ है, तो उसके व्यवहार को सद व्यवहार की श्रेणी में कैसे रखा जा सकता है? क्या यह हकीकत नहीं है कि बिलकिस बानो जैसी महिलाओं को लगातार आतंक के साये में जीना पड़ता है?

लगातार उन पर दबाव होता है कि वह अपनी शिकायत वापस ले लें? हकीकत यह भी है कि पिछले डेढ़ साल में, यानी जब से ये अपराधी कथित सद व्यवहार का पुरस्कार पाकर जेल से बाहर आये हैं, बिलकिस बानो चैन की नींद नहीं सो पायी? अब उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद बिलकिस बानो ने अपने वकील के माध्यम से यह कहलवाया है कि जैसे कोई मनो भारी पहाड़ उसके सीने से उतर गया है। डेढ़ साल में पहली बार अपने बच्चों से लिपट कर उसने खुशी के आंसू बहाये हैं। बिलकिस का यह कहना कम महत्वपूर्ण नहीं है कि 'मैं सुप्रीम कोर्ट की आभारी हूं कि उसने मुझे, मेरे बच्चों को, और सब महिलाओं को समान न्याय के अधिकार देने की उम्मीद जगाई है।' बिलकिस बानो ने उन जैसे सैकड़ों लोगों का आभार भी व्यक्त किया है जो अदालती लड़ाई में उसके साथ खड़े रहे। वह देश के उन करोड़ों लोगों की भी आभारी हैं जिनकी सहानुभूति उसे मिली है। ऐसे लोग हमारे देश में जो अन्याय के विरुद्ध खड़ा होने में गर्व का अनुभव करते हैं। पर उनका क्या जो अन्याय करके या अन्याय का समर्थन करके स्वयं को गौरवान्वित समझते हैं? अपराधियों का साथ देना या उनका समर्थन करना शर्म की बात होनी चाहिए। ऐसी शर्म किसी सभ्य समाज को भी परिभाषित करती है। मणिपुर की सड़कों पर महिलाओं के साथ दरिंदगी करने वाले हों या बलात्कार और हत्या के घोषित अपराधियों का अभिनंदन करने वाले, मनुष्यता को कलंकृत करते हैं ये लोग। मनुष्यता का तकाज़ा है कि समाज में अपराध के विरुद्ध भावना पनपे। इसके लिए हर स्तर पर, हर संभव कोशिश होनी चाहिए। बिलकिस बानो के इस कांड में जिसने भी गलत व्यवहार किया है, वह दंड का भागी है। सिर्फ कानून ही दंड नहीं देता, समाज भी उचित और विवेकपूर्ण व्यवहार करके आपराधिक तत्वों को सज़ा दे सकता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

अब ज्यादा भागीदारी वाले वैश्विक संस्थानों की तलाश

ब्रिक्स का विस्तार/ डॉ. एन.के. सोमानी

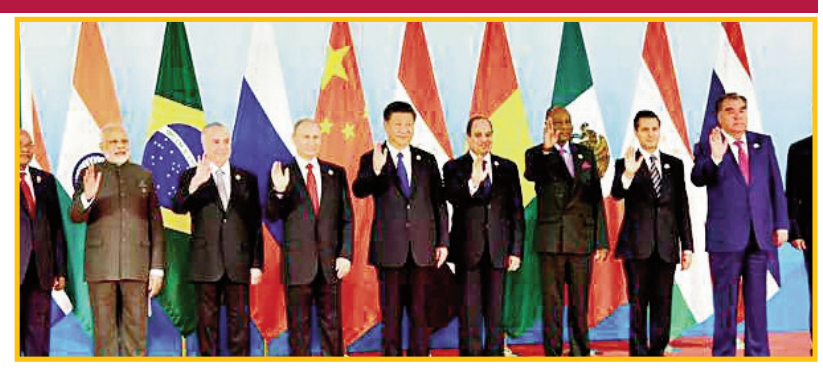

वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक-चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाले विकसित देशों के समूह ब्रिक्स का विस्तार हो गया है। मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के समूह का हिस्सा बनने के बाद पांच सदस्य देशों वाले ब्रिक्स की सदस्य संख्या बढ़कर दस हो गई है। हालांकि, अर्जेंटीना ने भी पूर्णकालिक सदस्यता हेतु आवेदन किया हुआ था लेकिन राष्ट्रपति जेवियर मिलेई ने ऐन वक्त पर यह कहते हुए कि हमारे लिए यह सदस्यता का सही समय नहीं है, प्रस्ताव वापस ले लिया था। अगस्त में जोहान्सबर्ग में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में समूह के नेताओं ने एक जनवरी से अर्जेंटीना समेत छह देशों को इस समूह से जोड़ने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इससे पहले समूह में सिर्फ ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल थे। मध्यपूर्व और उत्तरी अफ्रीका (एमईएनए) देशों के ब्रिक्स का हिस्सा बनने के बाद अब ब्रिक्स की क्षेत्रीय गतिशीलता को बदलने की क्षमता बढ़ गई है। अमेरिका और यूरोप के आर्थिक साम्राज्य को चुनौती देने वाले देशों के एक मंच पर एकत्रित होने की होड़ से पश्चिम के माथे पर भी चिंता की लकीरें दिखने लगी हैं। चिंता की बड़ी वजह है कि इन देशों की जीडीपी ग्रोथ काफी तेज है, जबकि विकसित देशों की ग्रोथ थम चुकी है। वैश्विक जीडीपी में एमईएनए देशों की हिस्सेदारी जो वर्ष 2011 में केवल 20.51 प्रतिशत थी वह वर्ष 2023 तक बढ़कर 26.62 प्रतिशत हो गई है। लेकिन जिस तरह से यूरोप और अमेरिका के प्रभाव से निकलकर ये देश एक मंच पर आ रहे हैं, उससे सवाल उठने लगा है कि अन्य संगठनों की तरह कहीं ब्रिक्स का विस्तारित रूप भी आपसी कलह का केन्द्र न बन जाए। यह सवाल इसलिए अहम हो जाता है क्योंकि ब्रिक्स की दो बड़ी शक्तियों चीन और भारत के बीच संबंध हमेशा से उतार-चढ़ाव वाले रहे हैं। इस सवाल के बड़े होने का एक कारण यह भी है कि अमेरिका के कथित आर्थिक आभामंडल को भेदकर जो देश ब्रिक्स का हिस्सा बने हैं या बनना चाहते हैं, उनमें से कुछ चीन के प्रभाव में आ सकते हैं। भारत के लिए यह स्थिति सहज नहीं होगी। पश्चिमी देशों की आलोचना का केन्द्र रहने के बावजूद जिस तरह से ब्रिक्स पिछले कुछ सालों में वैश्विक आर्थिक विकास का प्रेरक बन कर उभरा है, उससे विकासशील देशों को इसमें अपना भविष्य दिखने लगा है। इन देशों को ब्रिक्स में दोतरफा लाभ नजर आ रहा है। प्रथम, आर्थिक और दूसरा, रणनीतिक! दोनों ही मोर्चों पर ब्रिक्स सदस्य देशों के लिए फायदा हो सकता है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात अपनी मजबूत अर्थव्यवस्थाओं के जरिये ब्रिक्स से लाभ लेना चाहेंगे। जिस तरह ब्रिक्स देशों का फोकस आर्थिक विकास और गरीबी उन्मूलन पर रहा है, मिस्र जैसी उभरती अर्थव्यवस्था को इसका लाभ मिल सकता है। ईरान के लिए आर्थिक और रणनीतिक दोनों ही मोर्चों पर ब्रिक्स का साथ मिलना फायदेमंद होगा। पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के कारण ईरान आर्थिक मोर्चे पर अकेला पड़ गया था। अब ब्रिक्स देशों के साथ आने से उसकी अर्थव्यवस्था आइसोलेशन से बाहर आ सकेगी। हालांकि, प्रतिबंधों के बावजूद ईरान का तेल उत्पादन बढ़ा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल अकेले अगस्त माह में ईरान ने 22 मिलियन बैरल प्रतिदिन तेल का उत्पादन किया। ईरान ने इस तेल का अधिकांश हिस्सा चीन को बेचा है। सऊदी के साथ भी अब ईरान के संबंध पहले जैसे शत्रुतापूर्ण नहीं हैं। मार्च, 2023 में चीन की मध्यस्थता से दोनों देशों के बीच हुए समझौते के बाद ईरान अब पूरी तरह से खाड़ी के दूसरे देशों, लाल सागर और अफ्रीका के हॉर्न में अपनी स्थिति मजबूत करने के कार्यक्रम पर आगे बढ़ रहा है। ईरान का प्रवेश ब्रिक्स के लिए भी फायदे का सौदा है। ईरान के चाबहार बंदरगाह के जरिये उत्तर-दक्षिण के देशों में कनेक्टिविटी बढ़ेगी। भारत पहले से ही चाबहार परियोजना से जुड़ा है। निःसंदेह, पश्चिमी देशों की आलोचना का केन्द्र रहने के बावजूद जिस तरह से पिछले कुछ सालों में ब्रिक्स वैश्विक आर्थिक विकास का एक प्रमुख प्रेरक बन कर उभर रहा है, उसे देखते हुए पश्चिमी देशों का यह कहना कि ब्रिक्स का अपना कोई साझा दृष्टिकोण नहीं है और यह केवल 'बातचीत की दुकान' है, उचित नहीं है। ब्रिक्स की आलोचना करने के बजाय इसके शिखर सम्मेलनों और बैठकों में उठाए जा रहे मुद्दों पर गौर करना चाहिए। ब्रिक्स देश बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की वकालत करते हैं। इन देशों का मानना है कि ब्रह्मांड में मौजूद संसाधनों पर गिने-चुने देशों का प्रभाव होने के बजाय समस्त मानवता के लिए ये उपलब्ध हों। जबकि इसके ठीक विपरीत पश्चिमी देश विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और संयुक्त राष्ट्र जैसे निकायों पर पश्चिमी नियंत्रण के पक्षधर रहे हैं। रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान पश्चिम की पूंजीवादी ताकतों ने जिस तरह से रूस पर प्रतिबंध लगा कर उसे यूरोप के प्रभाव क्षेत्र में आने वाली स्विफ्ट प्रणाली से बाहर किया उससे विकासशील देशों की आशंका और बढ़ गई। विकसित देशों की ऐसी मनमानी के चलते विकासशील देशों की नये विकल्पों की तलाश और तेज हो गई है। एमईएनए देशों की एंट्री के बाद ब्रिक्स वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 29.6 प्रतिशत और दुनिया की कुल जनसंख्या के 46 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करेगा और 43.1 प्रतिशत तेल भंडार पर इसका नियंत्रण होगा। शायद यही वजह है कि अभी भी 30 से अधिक देश ब्रिक्स से जुड़ने के लिए आतुर हैं। उम्मीद है रूस की अध्यक्षता के दौरान कई और देश ब्रिक्स बहुपक्षीय एजेंडे में शामिल होंगे। ऐसा होता है तो निस्संदेह बहुध्रुवीय, बहुपक्षीय और टिकाऊ विश्व व्यवस्था की स्थापना की ब्रिक्स की आवाज और अधिक मुखरित होगी।

विचार मंथन

अधिकारिता से बाहर जाकर दिया विधानसभा अध्यक्ष ने फैसला

(लेखक - सनत जैन)

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित 16 विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने के मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने जिस गाइडलाइन के अनुसार विधानसभा अध्यक्ष को फैसला करने के लिए कहा था। विधानसभा अध्यक्ष ने उस गाइडलाइन की अवहेलना करते हुए जो फैसला दिया है। उसको लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट रूप से कहा था, कि दल बदल विरोधी कानून के प्रावधानों के आधार पर विधायकों की अयोग्यता के संबंध में निर्णय दिया जाए। अयोग्यता के मामले में फैसला करने का अधिकार संविधान ने विधानसभा अध्यक्ष को दिया है। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को विधायकों की अयोग्यता पर जो फैसला करना था।वह फैसला तो उन्होंने किया नहीं,उल्टे उन्होंने शिवसेना के शिंदे गुट को ही असली शिवसेना बता दिया है। जबकि चुनाव आयोग अपने फैसले में शिंदे गुट को मान्यता दे चुका था। विवाद का विषय वह नहीं था, जो फैसला आया है। यह कहा जा सकता है, कि विधानसभा अध्यक्ष ने अपनी परिधि से बाहर जाकर अयोग्यता वाले मामले में फैसला दिया है। महाराष्ट्र के विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने शिवसेना के 1999 के संविधान और 2018 के संविधान को लेकर अपने फैसले को जटिल बनाने के साथ और अपने फैसले को सही साबित करने की चेष्टा की है। जबकि उन्हें दल बदल विरोधी कानून और शिवसेना द्वारा संगठन स्तर पर जो फैसले किए गए थे।उसके अनुसार उन्हें अपना निर्णय देना था। शिवसेना के 55 विधायक थे। इसमें से घटनाक्रम के रूप में 16 विधायकों ने सचेतक के विहिप का पालन नहीं किया था। जिसके कारण दल बदल कानून के अनुसार वह विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित हो सकते थे। ईस अयोग्यता के संबंध में विधानसभा अध्यक्ष को फैसला करना था। जब 37 विधायक शिंदे गुट में चले गए, और नए मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें शपथ दिला दी गई। तब उनके पास 37 विधायकों का बहुमत था। उस बहुमत को आधार बनाते हुए विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने शिवसेना के शिंदे गुट को ही असली शिवसेना बता दिया। यह निर्णय एक तरह से सुप्रीम कोर्ट के जो निर्देश थे। उन निर्देशों का पालन नहीं किया गया। फैसला करते समय जो अधिकार विधानसभा अध्यक्ष को नहीं था। वह फैसला विधानसभा अध्यक्ष ने करके,एक तरह से नए-नए विवादों को जन्म देने का काम किया है। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे इसे सुप्रीम कोर्ट अपमान करने वाला फैसला बता रहे हैं।वहीं विधानसभा अध्यक्ष ने जो फैसला दिया है। अब उसका क्या प्रभाव होगा। विधानसभा अध्यक्ष के इस निर्णय से दल- बदल विधैयक पूरी तरह से निष्प्रभावी हो गया है। विधानसभा अध्यक्ष के इस निर्णय सेअब एनसीपी वाले मामले में भी अजीत पवार गुट को ही असली एनसीपी की मान्यता देने का काम, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने अप्रत्यक्ष रूप से कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था, महाराष्ट्र के राज्यपाल की भूमिका सही नहीं थी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था, महाराष्ट्र की सरकार असंवैधानिक है। यदि उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा नहीं दिया होता, तो सुप्रीम कोर्ट ठाकरे की सरकार को बहाल कर देते। दल बदल कानून के अनुसार अयोग्यता के मामले में फैसला विधानसभा के अध्यक्ष को करना होता है। सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट मत था,कि इसमें फैसला करने का अधिकार विधानसभा अध्यक्ष का है। अतः वह नियमानुसार फैसला करें। सुप्रीम कोर्ट ने जो समय दिया था।विधानसभा अध्यक्ष ने बार-बार सुप्रीम कोर्ट से समय बढ़ाने की गुहार लगाई। उसके बाद 1200 पन्नों का जो फैसला दिया है। उस फैसले में अपने संवैधानिक अधिकारों का पालन नहीं करते हुए,जो अधिकार हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग की अधिकारिता के थे। उसके बारे में एक तरह से फैसला करने का काम विधानसभा के अध्यक्ष ने किया है। उन्होंने अपने फैसले में शिंदे गुट को ही असली शिवसेना बता दिया है। विधानसभा अध्यक्ष के इस फैसले से महाराष्ट्र की सरकार पर जो संकट था, वह टल गया है।वही अजीत पवार गुट के बारे में भी यह फैसला हो गया है,कि वह असली एनसीपी है। इससे महाराष्ट्र सरकार के ऊपर कोई संकट नहीं रहा। समय बीत गया है, बकोल सुप्रीम कोर्ट महाराष्ट्र मे असंवैधानिक सरकार चल रही है।कुछ माह पश्चात लोकसभा के चुनाव होने हैं। 2024 के अंत में महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव भी होना है। जिस सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक सरकार बता दिया था। राज्यपाल की भूमिका पर सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा था। उसको नजर अंदाज करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने जो फैसला दिया है। उसकी शिवसेना उद्धव गुट में तीव्र प्रतिक्रिया हुई है।

आईटी की रेड पड़ते ही धड़ाम से गिरे पॉलीकैब इंडिया के शेयर

-सीधे 500 रुपये गिरकर शुरुआती कारोबार 22 फीसदी नीचे आया

नई दिल्ली। आईटी की रेड पड़ते ही पॉलीकैब इंडिया के शेयर धड़ाम हो गए। जानकारी के अनुसार पॉलीकैब इंडिया के शेयर आज 11 जनवरी को शुरुआती कारोबार में 22 प्रतिशत तक गिर गए। जबे कि कल 10 जनवरी को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने कहा था कि कंपनी के ऑफिस में सर्च करने पर 1,000 करोड़ रुपये बेहिसाब कैश सेल पकड़ी है। इसी का असर आज की ट्रेडिंग में देखा गया और भाव कल के क्लोजिंग भाव के मुकाबले लगभग 500 रुपये नीचे खुला। कल एनएसई पर 4,911.85 रुपये पर क्लोजिंग दी थी, मगर आज 4,420.70 पर खुला। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक्सचेंजों पर 1,293 करोड़ रुपये की अलग-अलग डील हुई हैं। लगभग 33 लाख शेयरों की खरीद-बेच हुई है, जोकि कुल शेयरों का 2.2 प्रतिशत हिस्सा है। हालांकि यह पता नहीं चल पाया है कि इन डील्स में कौन खरीदार रहे और कौन बेचने वाले हैं। लगभग 10 बजकर 56 मिनट पर पॉलीकैब का शेयर 4,020 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। हालांकि आज ही के दिन 3,801 रुपये के स्तर तक का लो छू चुका था। जानकारी के अनुसार जब यह शेयर 3,801 रुपये पर था, उस समय यह निवेशकों को एक ही दिन में 1,111 रुपये की गिरावट दिखा रहा था। इस शेयर में आज वॉल्यूम भी काफी बढ़ती हुई नजर आई है। हालांकि इससे पहले 20 लाख शेयर बेचे और खरीदे जा चुके थे। यदि एक महीने की रोज की एवरेज पर गौर करें, तो यह तीन गुना अधिक है। आज 11 जनवरी की ट्रेडिंग अभी जारी है। यहां गौरतलब है कि आयकर विभाग की छापेमारी के दौरान कंपनी के महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली के 50 परिसरों पर तलाशी ली गई थी। मीडिया रिपोर्ट में कंपनी के नाम के रूप में पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड की पुष्टि की गई है। 10 जनवरी को पॉलीकैब कंपनी पर छापेमारी के बारे में सेंट्रल बॉर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स के पदाधिकारियों ने कहा, लगभग 1,000 करोड़ रुपये के कैश लेन-देन का पता लगा है, जिनका लेखा-जोखा कंपनी के पास नहीं है।

ओजोन फार्मा का तीन साल में 1,000 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

नई दिल्ली । ओजोन फार्मास्युटिकल्स ने कहा कि वह अगले तीन साल में 1,000 करोड़ रुपये का कारोबार हो सिल करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। इसके अलावा कंपनी ने मॉलिक्यूल पहल की पेशकश की है और इसका दुनिया की प्रमुख दर्द प्रबंधन कंपनियों में शो मिल होने का लक्ष्य है। कंपनी ने कहा कि उसका अगले तीन साल में खुद को भारत की शीर्ष 20 औषधि कंपनियों में शामिल कराने का लक्ष्य है। अभी यह 56वें स्थान पर है। बयान के अनुसार ओजोन ने दुनिया की अग्रणी दर्द प्रबंधन कंपनी बनने के लक्ष्य के साथ अपनी मॉलिक्यूल पहल शुरू की। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक एससी सहगल ने कहा कि तीन दशक की विरासत को अपनाते हुए ओजोन समूह ने उल्लेखनीय प्रगति देखी है। पिछले चार साल में हम 84 से 56वें स्थान पर आ गए हैं।

मेडी असिस्ट का अगले हफ्ते खुलेगा आईपीओ

मुंबई । मेडी असिस्ट हेल्थकेयर सर्विसेज अपना आईपीओ को अगले हफ्ते बाजार में लाने वाली है। यह बीमा कंपनियों को थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेशन सर्विसेज देने वाली कंपनी है। बता दें कि साल 2024 का यह दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ होगा। इससे पहले ज्योति सीएनजी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। जनवरी का दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ 15 जनवरी से 17 जनवरी तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। वहीं एंकर निवेशकों के लिए यह 12 जनवरी को खुल जाएगा। मेडी असिस्ट आईपीओ का प्राइस बैंड 397-418 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। बेंगलुरु स्थित कंपनी 2,80,28,168 इक्विटी शेयरों के सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से लोअर प्राइस बैंड पर 1,112.7 करोड़ रुपये और अपर प्राइस बैंड पर 1,171.6 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। यह पूरी तरह से ऑफर-फॉर-सेल (ओएफएस) इश्यू है और इसमें कोई नया इश्यू घटक नहीं है।

ग्लोबल फिनटेक हमारी दुनिया को दे रहा नया आकार : पीएम मोदी

गांधीनगर ।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा है कि ग्लोबल फिनटेक हमारी दुनिया को नया आकार दे रहा है। बुधवार को गिफ्ट सिटी में आयोजित ग्लोबल फिनटेक फोरम की बैठक में भाग लेने के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कियो कि आज गिफ्ट सिटी में ग्लोबल फिनटेक फोरम में भाग लिया। यह वित्त और प्रौद्योगिकी में प्रतिभाशाली दिमागों का एक बड़ा संगम था, जिसमें डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए अभिनव समाधानों पर चर्चा की गई। यह देखना वाकई रोमांचक है कि फिनटेक हमारी दुनिया को कैसे नया आकार दे रहा है। पीएम मोदी ने इससे पहले राज्य को निवेश केंद्र के रूप में प्रदर्शित करने के लिए वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट का उद्घाटन किया। उनकी भागीदारी वैश्विक मंच पर आयोजन के महत्व और राज्य की आर्थिक क्षमता को दर्शाती है। वैश्विक व्यापार जगत के नेताओं ने बुधवार को शिखर सम्मेलन में देश के लिए अपनी निवेश योजनाओं का अनावरण करते हुए पीएम मोदी की विकसित भारत की आर्थिक दृष्टि की सराहना की। इस दौरान जापान की सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष तोशीहिरो सुजुकी ने प्रधानमंत्री को उनके मजबूत नेतृत्व का श्रेय दिया और देश में विनिर्माण उद्योगों को प्रदान किए गए समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार बन गया है। आर्सेलर मित्तल कंपनी के अध्यक्ष लक्ष्मी मित्तल ने वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन के मेगा वैश्विक आयोजन के लिए एक संस्थागत ढांचा तैयार करने के लिए प्रक्रिया की निरंतरता पर प्रधानमंत्री के जोर की सराहना की। वहीं अमेरिकी चिप विनिर्माण दिग्गज माइक्रोन के सीईओ संजय मेहरोत्रा ने देश को सेमीकंडक्टर विनिर्माण के लिए खोलने के दृष्टिकोण के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया और कहा कि यह भविष्य में एक बड़ा आर्थिक चालक बन जाएगा, क्योंकि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है।

केंद्रीय बैंक क्रिप्टो नियमों पर दूसरों का अनुकरण नहीं करेगाः दास

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक क्रिप्टो करेंसी नियमों पर दूसरों का अनुकरण नहीं करेगा और जो दूसरे बाजार के लिए अच्छा है, जरूरी नहीं कि वह हमारे लिए भी अच्छा हो। अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग द्वारा अमेरिका में बिटकॉइन एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड के निर्माण की अनुमति देने के लिए बदलावों को मंजूरी देने के बाद उनका यह बयान आया है। इसलिए हमारे विचार, रिजर्व बैंक के और व्यक्तिगत रूप से मेरे वही रहेंगे।

देश में हो सकती है दवाओं की कमी

नई दिल्ली । देश में दवाओं की कमी हो सकती है और कीमत आसमान पर पहुंच सकती है। कई मझोली और छोटी दवा कंपनियों का कहना है कि वे सरकार द्वारा बनाए गए नए नियमों का पालन करने की स्थिति में नहीं हैं और इनमें से कई इकाइयां बंद हो सकती हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में शेड्यूल एम में बदलाव को लेकर एक नोटिफिकेशन जारी किया था। सभी दवा कंपनियों के लिए इसे लागू करना अनिवार्य बनाया गया है। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने पिछले साल जुलाई में कहा था कि शेड्यूल एम को सभी माइक्रो, स्मॉल और मीडियम कंपनियों के लिए चरणबद्ध तरीके से अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि 250 करोड़ रुपये से अधिक सालाना टर्नओवर वाली कंपनियों को एक अगस्त, 2023 से छह महीने के भीतर मानकों को लागू करना जरूरी है। छोटी कंपनियों को इसके लिए एक साल का समय दिया गया है लेकिन लघु उद्योग भारती के एक प्रतिनिधि का कहना है कि छोटी और मझोली कंपनियों के लिए रिवाइज्ड शेड्यूल एम को लागू करना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी कंपनियां क्वालिटी में सुधार के लिए तैयार हैं लेकिन इसमें बहुत खर्च आएगा। इस प्रोसेस में कई कंपनियां बंद हो जाएंगी। इससे देश में दवाओं की कमी हो जाएगी और उनकी कीमत बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि छोटी कंपनियों के लिए नए नियमों को लागू करने चुनौतीपूर्ण काम है। पंजाब ड्रग मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन का कहना है कि इससे एनएलईएम में शामिल जरूरी दवाओं को बनाना मुश्किल हो जाएगा। नए नियमों के कारण इन दवाओं को बनाने की लागत उनकी सीलिंग प्राइस से ऊपर चली जाएगी।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 63.47 अंक , निफ्टी 28.50 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये उछाल विश्व भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में खरीददारी बढ़ने से आया है। इस कारण बाजार लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बढ़त पर रहा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 0.09 फीसदी या 63.47 अंक की हल्की बढ़त के साथ ही 71,721.18 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 0.13 फीसदी तकरीबन 28.50 अंक बढ़कर 21,647.20 पर बंद हुआ। निफ्टी की 25 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि 24 नुकसान के साथ ही नीचे आये।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में सबसे ज्यादा बढ़त रही। आरआईएल का शेयर 2.58 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। इसके अलावा अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर भी लाभ पर बंद हुए वहीं दूसरी ओर इंफोसिस, यूनिलीवर, विप्रो, लार्सन एंड टुब्रो और नेस्ले के शेयरों में गिरावट रही। वहीं एशियाई बाजारों में टोक्यो, शंघाई और हांगकांग के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि सियोल गिरावट पर बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में हालांकि बढ़त रही। गत दिवस अमेरिकी बाजार तेजी पर बंद हुए थे। विदेशी संस्थागत निवेशकों का बिकवाली का दौर जारी है। उन्होंने बुधवार को 1,721.35 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची।

इससे पहले आज सुबह बाजार गुरुवार की सकारात्मक शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स 250 अंक बढ़कर 71,908 पर खुला और 71,950 के आसपास कारोबार कर रहा था। एनएसई निफ्टी 50 को 21,700 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, अल्ट्राटेक सीमेंट, नेस्ले इंडिया और महिंद्रा एंड महिंद्रा सेंसेक्स 30 में शीर्ष पर रहे। एशिया में सुबह के कारोबार में बढ़त देखने को मिली।

जापान का निक्केई 1.9 फीसदी बढ़कर 34 साल के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गया! व्यापक इंडेक्स भी सकारात्मक हो गए और दोनों बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप 0.2 और 0.3 फीसदी उछलकर बंद हुए।

ओडिशा वित्त वर्ष 2024-25 में दो लाख करोड़ ले सकता है ऋणः नाबार्ड

भुवनेश्वर ।

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने कहा है कि ओडिशा वित्त वर्ष 2024-25 में दो लाख करोड़ रुपये उधार ले सकता है, जो एक साल पहले की अवधि से 25.19 प्रतिशत अधिक है। अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में हुई एक बैठक में नाबार्ड द्वारा तैयार एक स्टेट फोकस पेपर पेश किया गया। बयान में कहा गया कि नाबार्ड ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्राथमिकता क्षेत्र के तहत 2,00,608 करोड़ रुपये की समग्र ऋण क्षमता का अनुमान लगाया है, जो पिछले वर्ष 2023-24 की तुलना में 25.19 प्रतिशत अधिक है। नाबार्ड ने 2023-24 के लिए 1,60,280 करोड़ रुपये की समग्र ऋण क्षमता का अनुमान लगाया था। नाबार्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चालू वर्ष 2023-24 के लक्ष्यों को प्राप्त करने और ओडिशा में प्राथमिकता वाले क्षेत्र में ऋण प्रवाह बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। राज्य विकास आयुक्त अनु गर्ग ने कहा कि नाबार्ड ग्रामीण बुनियादी ढांचे के कार्यान्वयन और निर्माण तथा उनके संचालन को बढ़ाने में राज्य सरकार का एक प्रमुख भागीदार रहा है। वित्त सचिव विशाल कुमार देव ने कहा कि ओडिशा में बैंकों से प्राथमिकता वाले क्षेत्र में ऋण प्रवाह अब तक अच्छा रहा है, लेकिन इसमें अब भी बहुत सुधार तथा अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। आरबीआई के क्षेत्रीय निदेशक एस. पी. मोहंती ने बैंकों को आगामी वित्त वर्ष के लिए निर्धारित ऋण लक्ष्य हासिल करने के अलावा अपने दायरे का

विस्तार करने की भी सलाह दी।

एनएचबी प्रवर्तित कंपनी में 10 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी एलआईसी

मुंबई ।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) द्वारा प्रवर्तित कंपनी में 10 प्रतिशत तक हिस्सेदारी खरीदने के लिए उनके निदेशक मंडल से मंजूरी मिल गई है। एलआईसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि निदेशक मंडल ने अपने शेयर पूंजी के 10 प्रतिशत तक एनएचबी द्वारा प्रवर्तित एक नई कंपनी में निवेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसमें कहा गया है कि निवेश एक या अधिक किस्तों में किया जाना है। हालांकि संबंधित कंपनी के बारे में विशिष्ट विवरण का खुलासा नहीं किया गया है। एलआईसी के पास पहले से ही एक हाउसिंग फाइनेंस सहायक कंपनी एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड है, जिसकी स्थापना 1989 में हुई थी। यह सहायक कंपनी जो 1994 में सार्वजनिक हुई, इसके स्टॉक नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (बीएसई) में सूचीबद्ध हैं। एनएचबी-प्रवर्तित कंपनी में प्रवेश, आवास वित्त क्षेत्र में एलआईसी के निरंतर विस्तार का प्रतिनिधित्व करता है, जो इसके व्यापक अनुभव और वित्तीय कौशल का लाभ उठाता है।

सिटी नेटवर्क खरीदने रिलायंस जियो सहित 14 कंपनियां सामने आईं

- कंपनियां 17 जनवरी तक जमा कर सकती हैं अपने प्रस्ताव

मुंबई ।

एस्सेल समूह की संकटग्रस्त सिटी नेटवर्क लिमिटेड को खरीदने के लिए रिलायंस जियो की हैथवे डिजिटल और हिंदुजा समूह की इंडसइंड मीडिया ऐंड कम्युनिकेशन से हित 14 कंपनियों में होड़ मची हुई है। संभावित समाधान प्रस्ताव (पीआरए) देने वाली ये कंपनियां 17 जनवरी तक अपने प्रस्ताव जमा कर सकती हैं। हैथवे और इंडसइंड ने इस मामले में कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। सिटी नेटवर्क मल्टी-सिस्टम ऑपरेटर और तार से ब्रॉडबैंड पहुंचाने वाली कंपनी है, जिसके पास 33,000 किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर और कोएक्सियल केबल नेटवर्क है। यह देश में 580 स्थानों पर 1.15 करोड़ से अधिक दर्शकों को केबल सेवाएं देती है। एक वरिष्ठ सलाहकार ने कहा कि पूर्वी क्षेत्र में गहरी पैठ को देखते हुए सिटी नेटवर्क के अधिग्रहण से कंपनियों के विस्तार को बल मिलेगा। कंपनी का फाइबर ऑप्टिक कारोबार भी बहुत बढ़िया है। 30 नवंबर, 2022 को सिटी नेटवर्क ने एक बयान जारी कर कहा था कि उसके ऊपर सात ऋणदाताओं के 1,173 करोड़ रुपये बकाया हैं। इनमें एचडीएफसी के 279 करोड़ रुपये, ऐक्सिस बैंक के 269 करोड़ रुपये, इंडसइंड बैंक के 156 करोड़ रुपये और आईडीबीआई बैंक के 147 करोड़ रुपये हैं। इन बैंकों ने कंपनी को 9 से 13 प्रतिशत ब्याज दर के साथ सावधि ऋण दिया था। सिटी नेटवर्क ने स्टॉक एक्सचेंज को सूचित किया था कि उसके ऋणदाताओं की समिति की चौथी बैठक बीते साल 15 दिसंबर को आयोजित हुई थी। इस बैठक में समाधान प्रस्ताव पेश किया गया। कंपनी ने बताया कि बैठक में इस प्रस्ताव के साथ-साथ सीआईआरपी संबंधी मुद्दों पर

सीओसी सदस्यों के साथ चर्चा की गई। सिटी नेटवर्क वित्तीय वर्ष 2022-23 की पहली छमाही से लगातार घाटे में चल रही है और 30 सितंबर तक के आंकड़ों के अनुसार कंपनी पर नकारात्मक कार्यगत पूंजी और नकारात्मक नेटवर्थ हो गई थी। वित्त वर्ष 23 की पहली छमाही के दौरान कंपनी को 683.9 करोड़ के अर्जित राजस्व पर 145.4 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। इससे पहले वित्त वर्ष 2022 में कंपनी को कुल 1460.8 करोड़ के अर्जित राजस्व पर 260.9 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

देश के कुछ राज्यों में बदली पेट्रोल और डीजल की कीमत

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट नजर आ रही है। गुरुवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड गिरावट के साथ 71.29 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 76.80 प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 35 पैसे और डीजल 34 पैसे सस्ता हुआ है। बिहार में पेट्रोल 29 और डीजल 27 पैसे सस्ता हुआ है। झारखण्ड में पेट्रोल और डीजल की कीमत में 44 पैसे की वृद्धि की गई है। महाराष्ट्र में भी पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़े हैं। दूसरी ओर मध्य प्रदेश में पेट्रोल 52 पैसे और डीजल 46 पैसे सस्ता हुआ है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल की कीमत में 44 पैसे और डीजल में 41 पैसे की गिरावट है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश और हरियाणा में भी गुरुवार को पेट्रोल-डीजल सस्ता हुआ है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.86 रुपये और डीजल 94.46 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है,

गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.54 रुपये और डीजल 94.32 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

पिछले साल एफपीआई ने किया 25 फीसदी निवेश

एफपीआई निवेश में से 44,950 करोड़ रुपये प्राथमिक निर्गमों में गए

मुंबई ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 2023 में देसी शेयरों में 1.7 लाख करोड़ रुपये लगाए, जो किसी वित्तीय वर्ष में हुए सबसे अधिक निवेश में रहा। मगर इसका छोटा हिस्सा ही बाजार से शेयरों की सीधी खरीद में गया। एनएसडीएल के आंकड़ों से पता चलता है कि एफपीआई निवेश में से 44,950 करोड़ रुपये प्राथमिक निर्गमों में गए। आंकड़ों के अनुसार स्टॉक एक्सचेंज के जरिये एफपीआई ने जो निवेश किया, उसका बड़ा हिस्सा ब्लॉक डील में लगाया गया। इसका मतलब है कि शेयरों की सीधी खरीद में निवेश पहले से कम रहा। पिछले साल 2 लाख करोड़ रुपये की ब्लॉक डील हुईं, जिनमें सबसे बड़े खरीदार एफपीआई थे। प्राथमिक निर्गम में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ), पात्र संस्थागत नियोजन और राइट्स निर्गम शामिल होते हैं। एनएसडीएल प्राथमिक निवेश और स्टॉक एक्सचेंज के जरिये हुए एफपीआई निवेश के अलग-अलग आंकड़े देता है। ब्लॉक डील सौदे स्टॉक एक्सचेंज प्लेटफॉर्म के जरिये होते हैं। बीते दो वित्तीय वर्ष के दौरान प्राथमिक बाजार में एफपीआई का निवेश स्टॉक एक्सचेंज के जरिये किए गए निवेश से काफी ज्यादा था। वर्ष 2022 में प्राथमिक बाजार में एफपीआई निवेश सकारात्मक था और शेयर बाजार में निवेश ऋणात्मक रहा। मगर 2021 में प्राथमिक बाजार में एफपीआई की खरीदारी बढ़ने से निवेश सकारात्मक रहा था। बाजार के भागीदारों ने कहा कि मूल्यांकन को नियंत्रण में रखने के लिए जरूरी है कि घरेलू और विदेशी निवेशकों से निवेश नई प्रतिभूतियों के जरिये आए। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था में तेज वृद्धि का अनुमान देखते हुए हमें एफपीआई और घरेलू संस्थागत निवेशकों से 25-25 अरब डॉलर के निवेश की उम्मीद है। देसी-विदेशी निवेशकों से आने वाली तेज निवेश आवक को देखते हुए नई प्रतिभूतियां जारी करना जरूरी होगा। ऐसे में क्यूआईपी, ब्लॉक डील, आईपीओ और पीई निवेशकों का जाना काफी होगा। इससे बाजार में आने वाले ज्यादा निवेश को खींचने में मदद मिलेगी।

पेटीएम की गिफ्ट सिटी में 100 करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना

मुंबई ।

फिनटेक कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में 100 करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बनाई है। कंपनी ने इसकी जानकारी दी। वन97 कम्युनिकेशंस के पास पेटीएम का स्वामित्व है। कंपनी एक निश्चित अवधि में निवेश करेगी और इसके लिए अपेक्षित मंजूरी मांगेगी। वन97 कम्युनिकेशंस के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने कहा, ''गिफ्ट सिटी एक वैश्विक वित्तीय केंद्र बनने के लिए तैयार है, जो नवाचार के वैश्विक मानचित्र पर भारत की उपस्थिति सुनिश्चित करेगी। गिफ्ट सिटी में रणनीतिक निवेश वैश्विक अवसरों को पेश करते हुए कृत्रिम मेधा-संचालित सीमा पार प्रेषण तथा भुगतान प्रौद्योगिकी परिदृश्य के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है... बयान के अनुसार, सीमा पार गतिविधि के लिए एक आदर्श 'इनोवेशन हब के रूप में गिफ्ट सिटी के साथ पेटीएम भारत में निवेश करने के इच्छुक दुनिया भर के उपयोगकर्ताओं के लिए नई प्रौद्योगिकी का आविष्कार तथा निर्माण करने की अपनी सिद्ध क्षमता का इस्तेमाल करेगा। नया समाधान और प्रौद्योगिकी आधार प्रदान करने के लिए पेटीएम गिफ्ट सिटी में एक विकास केंद्र स्थापित करने की भी योजना बना रहा है। शर्मा ने कहा, ''इसके अलावा हम एक समर्पित विकास केंद्र स्थापित करने के लिए इस निवेश का लाभ उठाने का इरादा रखते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अर्जुन अवॉर्ड मिलने के बाद शमी ने बयां की दिल की बात, कहा- 'मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा'

मुंबई (एजेंसी)। टीम इंडिया के बेहतरीन गेंदबाज मोहम्मद शमी को मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया। इस दौरान शमी के साथ 26 और एथलीटों को इस पुरस्कार से नवाजा गया। वहीं शमी ये अवॉर्ड पाने वाले 58वें क्रिकेटर हैं। बता दें कि, अर्जुन अवॉर्ड खेल पुरस्कार में दूसरा सबसे बड़ा है। शमी ने अवॉर्ड मिलने के बाद अपने दिल की बात बयां की।

दरअसल, शमी ने अवॉर्ड मिलने के बाद कोच, साथी खिलाड़ियों और परिवार का आभार व्यक्ति किया। इंस्टाग्राम पर शमी ने लिखा, आज राष्ट्रपति द्वारा प्रतिष्ठित अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किए जाने पर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। मैं उन सबी लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिन्होंने मुझे यहां तक पहुंचने में काफी मदद की और उतार-चढ़ाव में हमेशा मेरा साथ दिया। मेरे कोच, बीसीसीआई, टीम के साथियों, मेरे परिवार और स्टाफ साथ ही मेरे फैंस का बहुत शुक्रिया। मेरी कड़ी मेहनत को पहचानने के लिए धन्यवाद। मैं हमेशा अपने देश को गौरवान्वित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करूंगा। फिर से सभी को धन्यवाद।

साल 2023 शमी के लिए बेहतरीन रहा, जहां उन्होंने वनडे वर्ल्ड कप में पूरी दुनिया को अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। दरअसल, वनडे विश्व कप 2023 में सनसनीखेज प्रदर्शन के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शमी के नाम की सिफारिश की थी। शमी ने विश्व कप 2023 को टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज के रूप में समाप्त किया, केवल 7 मैचों में 24 विकेट लिए।

मलेशिया ओपन : सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में, श्रीकांत बाहर

कुआलालम्पुर (एजेंसी)। भारत के सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में बृहस्पतिवार को पुरूष युगल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए जबकि किदाम्बी श्रीकांत दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गए।

दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी सात्विक और चिराग ने फ्रांस के 36वीं रैंकिंग वाले लुकास कोरवी और रोनान लबार को 21-11, 21-18 से हराया। पिछले साल छह खिताब जीतने वाली भारतीय जोड़ी का सामना अब चीन के ही जि तिंग और रेन शियांग यू से होगा। पिछले महीने गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 खिताब जीतने वाली अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी ने वकाना नागाहारा और मायु मात्सुमोतो की जापान की सातवीं वरीय जोड़ी को 21-19, 13-21, 21-15 से हराकर उलटफेर किया और पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का अपना दावा मजबूत किया।

वहीं श्रीकांत अपनी गलतियों पर काबू नहीं रख सके और हांगकांग के एंग का लोंग एंगस से दूसरे दौर में सीधे गेम में हार गए। कई सहज गलतियों और गलत लाइन कॉल के कारण विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज श्रीकांत को दुनिया के 20वें नंबर से खिलाड़ी का लोंग से 13-21, 17-21 से पराजय झेलनी पड़ी।

एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विक और चिराग ने आक्रामक खेल दिखाते हुए पहले ही गेम में 11-2 की बढ़त बना ली। फ्रांसीसी जोड़ी ने हालांकि स्कोर 12-14 कर दिया। भारतीय जोड़ी का अनुभव यहां काम आया जिसने लगातार सात अंक के साथ पहला गेम जीता। दूसरे गेम में 4-11 से पिछड़ने के बाद सात्विक और चिराग ने जबर्दस्त वापसी करते हुए 16-16 से बराबरी की। इसके बाद अपने प्रतिद्वंद्वी की गलतियों का फायदा उठाकर उन्होंने चार मैच प्वाइंट के साथ गेम और मैच जीता।

उधर श्रीकांत की शुरूआत अच्छी रही और एक समय वह 6-1 से आगे चल रहे थे लेकिन फिर उन्होंने गलतियां करनी शुरू की और का लोंग ने लगातार छह अंक लेकर वापसी की। पिछले दो मुकाबलों में श्रीकांत ने का लोंग को हराया था लेकिन इस बार लय कायम नहीं रख सके और पहला गेम आसानी से गंवा दिया। दूसरे गेम में एक समय उनके पास 11-10 की बढ़त थी लेकिन फिर गलतियों से वह उबर नहीं सके।

लामिछाने को 8 साल की सजा

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल की शीर्ष अदालत ने क्रिकेटर संदीप लामिछाने को बलात्कार के मामले में 8 साल की सजा सुनाई। शिशिर राज ढकाल की पीठ ने इस मामले में हुई सुनवाई के बाद लामिछाने को आठ साल की कैद की सजा सुनाई इसके साथ ही उन्हें पीड़िता को मुआवजा भी देना होगा। इससे पहले काठमांडू जिला न्यायालय की अदालत ने भी लामिछाने को बलात्कार के मामले में दोषी ठहराया था।

पिछले साल दिसंबर में शिशिर ढकाल की पीठ ने दोनों पक्षों के अंतिम बयान सुनने के बाद अब इस मामले में फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने इससे पहले इस साल 23 फरवरी को इस मामले को त्वरित फास्ट-ट्रैक के माध्यम से जल्द फैसले तक पहुंचाने का आदेश दिया था पर सुनवाई पूरी न होने के कारण ऐसा नहीं हो पाया। तब इस क्रिकेटर के विश्व कप क्वालीफायर में भाग लेने को देखते हुए अदालत ने बार-बार सुनवाई रोकी थी। इस दौरान लामिछाने जमानत पर थे और उन्हें विदेश यात्रा की भी अनुमति दे दी गई थी।

वहीं इस मामले में पाटन उच्च न्यायालय ने 12 जनवरी को नाबालिग से बलात्कार के मामले में लामिछाने को हिरासत में रखने के लिए आधार की कमी का हवाला देते हुए न्यायिक हिरासत में भेजने के काठमांडू जिला न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया था। अगले दिन उन्हें 20 लाख रुपए की जमानत पर रिहा कर दिया गया था।

युवा तेज गेंदबाज वासुकी को मिल सकती है भारतीय टीम में जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के युवा तेज गेंदबाज वासुकी कौशिक ने हाल ही में रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। माना जा रहा है कि वासुकी आने वाले समय में एक बेहतरीन तेज गेंदबाज बनकर उभरेंगे। इस युवा तेज गेंदबाज से टीम के वर्तमान तेज गेंदबाजों मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह को भी टक्कर मिल सकती है जबकि इनके सामने बल्लेबाजों को बेहद मुश्किलें होती हैं। बुमराह अपनी खतरनाक यार्कर जबकि शमी अपनी स्विंग से बल्लेबाजों को चकमा देने के लिए जाने जाते हैं। वासुकी ने पंजाब के खिलाफ 15 ओवर में 41 रन देकर 7 विकेट लेकर पंजाब को पहली पारी में 152 रन पर आउट करने में अहम भूमिका निभाई थी। उनकी इस शानदार गेंदबाजी के दम पर पर कर्नाटक की टीम 7 विकेट से मैच जीतने में सफल हुई थी।

वासुकी ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में जबरदस्त प्रदर्शन किया है।इस गेंदबाज के घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन पर नजर डालें तो उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अभी तक खेले 10 मैचों में 49 विकेट लिए हैं। वहीं 34 लिस्ट ए मैचों में उन्होंने 64 और 33 टी 20 में 40 विकेट लिए हैं। इसके बाद भी हालांकि इस गेंदबाज को अब तक आईपीएल में भी अवसर नहीं मिला है। रणजी ट्रॉफी में किए गए शानदार प्रदर्शन के बाद इस युवा गेंदबाज की जमकर तारीफ हो रही है। ऐसे में बीसीसीआई उन्हें भारतीय टीम में भी शामिल कर सकती है।

अंकिता को आईटीएफ महिला ओपन में सीधे प्रवेश मिला

बेंगलुरु। अंकिता रैना यहां 14 जनवरी से होने वाले 40 हजार डॉलर इनामी राशि वाले आईटीएफ महिला ओपन के लिए सीधे प्रवेश मिला है। पिछले साल की उप विजेता और एकल में विश्व की 208वें नंबर की खिलाड़ी अंकिता मुख्य वर्ग में सीधे प्रवेश पाने वाली 20 खिलाड़ियों में शामिल हैं। वहीं 4 खिलाड़ियों को वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला है जबकि 8 खिलाड़ी क्वालीफायर के जरिए मुख्य ड्रॉ में जाएंगे। इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ कर रहा है। इसके एकल मुख्य ड्रॉ में भारत की 10 खिलाड़ी खेल सकती हैं। अंकिता के अलावा चार खिलाड़ियों को वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला है जबकि 5 खिलाड़ी क्वालीफायर के जरिए मुख्य ड्रॉ में पहुंचेंगे। इसके क्वालीफायर मुकाबले 14 और 15 जनवरी को होंगे। वहीं फाइनल 21 जनवरी को होगा। स्थानीय खिलाड़ी सोहा सादिक और सुहिता मारुरी वाइल्ड कार्ड पाने वाली भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं। वहीं लात्विया की दार्जा सेमेनिस्ताजा 143वीं एकल रैंकिंग के साथ टूर्नामेंट में शीर्ष रैंकिंग वाली खिलाड़ी हैं। यह टूर्नामेंट का तीसरा सत्र होगा जो पहली बार कृत्रिम रोशनी में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पाक टीम की शुरुआत करेंगे सईम और रिजवान

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम अब 12 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरु होने वाली सीरीज में नई सलामी जोड़ी को आजमा सकता है। हाल में खराब प्रदर्शन को देखते हुए बाबर आजम की जगह युवा सईम अयूब और मोहम्मद रिजवान पारी की शुरुआत कर सकते हैं। इसी कारण टीम प्रबंधन ने नेट पर नई गेंद से सईम और रिजवान से बल्लेबाजी कराई

जबकि बाबर और फखर जमां ने दूसरे नेट पर स्पिनरों को खेला।

टी20 प्रारूप में बाबर और रिजवान की जोड़ी सफल रही है पर नये कप्तान शाहीन शाह अफरीदी, नए हाई परफार्मेंस कोच यासिर अराफात और टीम निदेशक मोहम्मद हफीज न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की सीरीज में नया प्रयोग करना चाहते हैं। दुबई में 2021 में टी20 विश्व कप के दौरान इन दोनो की 150 रन की नाबाद साझेदारी से पाक ने पहली बार भारत के खिलाफ जीत दर्ज की थी। बाबर अब किसी भी प्रारूप में कप्तान नहीं है और ऐसे में वह मध्यक्रम में उतरने के लिए तैयार हैं।

टी20 विश्वकप के लिए बिश्नोई को शामिल करें : गावस्कर

-कुलदीप और चहल से बेहतर बताया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि आगामी टी20 विश्वकप में कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल नहीं बल्कि लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को शामिल किया जाना चाहिए। गावस्कर के अनुसार बिश्नोई क्षेत्ररक्षण के मामले में भी कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल से काफी बेहतर हैं। इसके अलावा वह बल्लेबाजी भी कर लेते हैं। बिश्नोई ने पिछले कुछ समय में टी20 प्रारुप में काफी सफलता भी हासिल की है। इस लेग स्पिनर को कुलदीप यादव के कारण टीम में जगह नहीं मिल पा रही। टी20 विश्वकप इस साल जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला जाएगा। उन्होंने कहा कि चयनकर्ताओं को इस टूर्नामेंट के लिए दल का चयन करते हुए कई कठिन फैसले लेने पड़ सकते हैं। इसमें स्पिनरों का चयन सबसे कठिन रहेगा क्योंकि अभी भारतीय टीम के पास कुलदीप और चहल के अलावा रवींद्र जड़ेजा, वॉशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल जैसे स्पिनर भी हैं। गावस्कर ने लेग स्पिनर के रूप में रवि बिश्नोई के स्तर को कुलदीप और चहल से ऊपर माना है। उन्होंने कहा मेरे विचार से बिश्नोई अधिक बेहतर हैं क्योंकि वह गेंदबाजी के अलावा वह बहुत अच्छे क्षेत्ररक्षक भी हैं। इसके अलावा वह बल्लेबाजी भी कर सकते हैं, उन्होंने पिछले आईपीएल में अपने दिमाग का इस्तेमाल कर अपनी टीम को मैच जिताया था। बिश्नोई ने भारतीय टीम की ओर से टी20 में शानदार प्रदर्शन करते हुए अब तक 34 विकेट लिए हैं।

रिदम सांगवान ने पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए निशानेबाजी में हासिल किया 16वां कोटा

जकार्ता (एजेंसी)। रिदम सांगवान पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने वाली भारत की 16वीं निशानेबाज बन गई जिन्होंने यहां एशियाई क्वालीफायर में 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल में कांस्य पदक जीता। इसके साथ ही भारत ने जुलाई अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक में निशानेबाजी के लिये सबसे ज्यादा कोटा हासिल कर लिए हैं। इससे पहले तोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत के 15 निशानेबाजों ने भाग लिया था।

एशियाई क्वालीफायर में भारत का यह तीसरा ओलंपिक कोटा है। इससे पहले ईशा सिंह और वरूण तोमर 10 मीटर एयर पिस्टल महिला और पुरूष वर्ग में कोटा हासिल कर चुके हैं। हरियाणा की 20 वर्ष की रिदम पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की 25 मीटर स्पोटर्स पिस्टल टीम का हिस्सा थीं जिसमें ईशा और

मनु भाकर भी शामिल थी। रिदम फाइनल में 28 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही लेकिन यह उन्हें पेरिस ओलंपिक का कोटा दिलाने के लिए काफी था।

चीन की यांग जिन को 41 अंक के साथ स्वर्ण और कोरिया की किम येजी को 32 अंक के साथ रजत पदक मिला। एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में यह रिदम का दूसरा कांस्य पदक है। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल में भी तीसरा स्थान हासिल किया था। इस वर्ग में वह ओलंपिक कोटा हासिल नहीं कर सकी थी। रिदम ने अपनी सफलता का श्रेय निजी कोच विनीत कुमार को देते हुए कहा, 'मुझे खुशी है कि कांस्य पदक जीतकर देश के लिये कोटा हासिल कर सकी।'

उन्होंने कहा, 'मैं अपने निजी कोच विनीत कुमार को धन्यवाद देना चाहूंगी। उनकी वजह से ही मैं यहां तक पहुंची हूं। मैं अपने सभी समर्थकों को भी धन्यवाद दूंगी।' यह पूछने पर कि तीनों पदकों में से उन्हें सबसे ज्यादा गर्व किस पर है, रिदम ने कहा कि सभी पदक उनके दिल के करीब है लेकिन वह देश के लिये कोटा जीत सकी, इसलिए यह खास है।'

निशा पटेल ने महिला पेशेवर गोल्फ टूर में बढ़त बनाई

पुणे। निशा पटेल ने गुरुवार को यहां दूसरे दौर में पार 71 के स्कोर से 2024 महिला पेशेवर गोल्फ टूर के पहले चरण में बढ़त बरकरार रखी है। निशा का दो दौर के बाद कुल स्कोर पांच अंडर 137 है और उन्होंने हिताषी बक्शी पर दो शॉट की बढ़त बना रखी है। हिताषी ने दूसरे दौर में एक अंडर 70 का स्कोर बनाकर अपने और निशा के बीच के अंतर को कम किया। निशा ने दूसरे दौर में एक बर्डी की लेकिन एक बोगी भी कर गई जिससे उनका स्कोर इवन पार रहा। हिताषी ने दूसरे दौर में चार बर्डी और तीन बोगी की। उनका कुल स्कोर तीन अंडर 139 है। स्नेहा सिंह (69) और दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली सहर अटवाल (68) भी आगे बढ़ने में सफल रहीं। एमेच्योर मन्नत बरार (74) संयुक्त 5वें स्थान पर खिसक गई हैं। खुशी खानिजाउ (71) भी संयुक्त पांचवें स्थान पर है। उनका दोनों का कुल स्कोर एक ओवर 143 है।

कारपोरेट लीग क्रिकेट टूर्नामेंट खेलते समय दिल का दौरा पड़ने से खिलाड़ी की मौत

नोएडा (एजेंसी)। यहां क्रिकेट खेलते समय एक खिलाड़ी की मौत का मामला सामने आया है। यह नोएडा का मामला है यहां कारपोरेट लीग में मैवरिक्स इलेवन और ब्लैजिंग बुल्स का मैच चल रहा था। इसी दौरान रन लेते समय एक बल्लेबाज बीच में ही लड़खड़ाकर पिच पर बेहोश होकर गिर पड़ा। इसके बाद अन्य खिलाड़ी दौड़े और उसे संभालने का प्रयास करने लगे। कुछ खिलाड़ियों ने सीपीआर दिया पर जब हालत बिगड़ने लगी तो उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। यहां उसके डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

इस 36 साल के खिलाड़ी का विकास नेगी था और दिल्ली की एक कंपनी में इंजीनियर था। ये घटना रविवार की है और इसका एक वीडियो सामने आया है। कारपोरेट लीग में मैवरिक्स इलेवन और ब्लैजिंग बुल्स के बीच चल रहे इस मैच में

मैवरिक्स टीम की तरफ से उमेश कुमार और विकास बल्लेबाजी कर रहे थे। 14वां ओवर चल रहा था। उमेश ने शॉट खेला। विकास नॉन-स्ट्राइकर एंड से रन लेने के लिए दौड़े पर आधी पिच तक पहुंचते तभी गेंद बाउंड्री पार पहुंच गई। फिर, विकास ने उमेश को बधाई दी। इसी बीच अचानक लड़खड़ाकर गिर गए। दिल का दौरा पड़ने से पहले विकास ने छह गेंद खेलकर 7 रन बनाये थे। ये मुकाबला यूट्यूब पर लाइव ब्रॉडकास्ट हो रहा था। वहीं हादसे के बाद टूर्नामेंट रोक दिया गया। साथी खिलाड़ियों ने बताया कि विकास

मैच खेलने से पहले तक बिल्कुल ठीक था। अंदाजा नहीं था कि उनकी तबीयत खराब है। यह सब कुछ अचानक हुआ। किसी को कुछ समझ नहीं आया। विकास मूलरूप से उत्तराखंड के रहने वाले थे। वह दिल्ली के रोहिणी इलाके में रहते थे।

तदर्थ समिति गठित करने के खिलाफ अदालत जाएंगे : संजय सिंह

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निलंबित अध्यक्ष संजय सिंह ने खेल मंत्रालय द्वारा कुश्ती के संचालन के लिए तदर्थ समिति गठित करने के फैसले का विरोध करते हुए कहा कि वह इस मामले को लेकर अदालत में जाएंगे। संजय ने कहा, 'खेल मंत्रालय ने हमारी गतिविधियों को निलंबित करते हुए एक तदर्थ समिति बनाई है जबकि हम एक स्वायत्त निकाय हैं और नियमों के अनुसार खेल मंत्रालय ना तो हमारी गतिविधियां रोक सकते हैं और ना ही हमें काम करने से रोक सकते हैं। वे भारतीय कुश्ती महासंघ की सहमति के बगैर तदर्थ समिति नहीं बना सकते। वहीं डब्ल्यूएफआई में अध्यक्ष पद को लेकर हुए विवादों पर उन्होंने कहा, 'कुश्ती को 11 महीने से ग्रहण लगा है। एक साल बीत गया ना कोई राष्ट्रीय प्रतियोगिता हुई और ना ही कोई शिविर लगा। जूनियर बच्चे निराश हैं। उन्होंने आंदोलनकारी पहलवानों पर निशाना साधते हुए कहा कहा कि उन्होंने कुश्ती को बर्बाद करने के लिए सारे प्रयास कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि 2012 से पहले की पदक तालिका उठाकर देख लें और 2012 से अभी तक की पदक तालिका देख लें तो समझ में आ जाएगा कि कुश्ती का विकास किसने किया क्योंकि केवल कुश्ती महासंघ पर कब्जा करने के लिए यह सब कुछ किया गया। संजय ने कहा, 'अगर वो लोग कुश्ती का इतना ही भला चाहते हैं तो यह जरूरी नहीं है कि अध्यक्ष बनकर ही कुश्ती का भला करेंगे। वे बच्चों का मार्गदर्शन करके और उन्हें प्रोत्साहित करके कुश्ती का भला कर सकते थे। संजय ने कहा कि हमारा लक्ष्य ओलंपिक के लिए पहलवान तैयार करना होगा जिससे पदक मिलें। उन्होंने कहा, 'मैं जूनियर पहलवानों के लिए पूरी ताकत लगाऊंगा पर बिना ट्रायल के उन्हें नहीं जाने दूंगा।

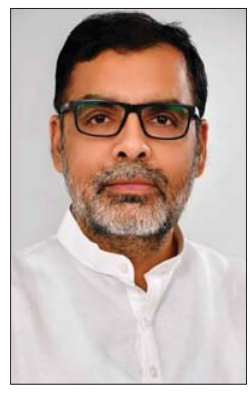

कोहली-रोहित की मौजूदगी से भारत को टी20 विश्व कप में मजबूती मिलेगी: सुरेश रैना

मुंबई (एजेंसी)। बेंगलुरु-पूर्व भारतीय आलराउंडर सुरेश रैना ने विश्व कप को देखते हुए अनुभवी रोहित शर्मा और विराट कोहली को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए राष्ट्रीय टीम में शामिल करने को गुरुवार को समझदारी भरा फैसला करार दिया। रोहित और कोहली की 14 महीने बाद भारत की टी20 टीम में वापसी हुई है। रैना ने कहा कि उनकी मौजूदगी से टीम को मजबूती मिलेगी।

रैना ने कहा, 'अगर आप विश्व कप के अमेरिका और वेस्टइंडीज में स्टेडियम को देखो तो विकेट थोड़ा पेचीदा होगा। भारत को वहां पर रोहित और कोहली के अनुभव की जरूरत होगी। कोहली टी20 क्रिकेट में 12,000 रन बनाने के करीब हैं।' उन्होंने कहा, 'इसलिए इनकी मौजूदगी से भारत की बल्लेबाजी मजबूत होगी और भारत की टी20 विश्व कप में जीतने की संभावना भी निश्चित रूप से बेहतर होगी।'

उन्होंने कहा, 'वनडे विश्व कप में उनकी फॉर्म बहुत अच्छी थी और बतौर कप्तान रोहित की मौजूदगी से ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों का जज्बा मजबूत होता है।' रैना की राय में कोहली को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करानी चाहिए और पारी का आगाज करने की जिम्मेदारी रोहित और यशस्वी जायसवाल की होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कोहली को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। उसके अनुभव से मजबूती मिलेगी विशेषकर अमेरिका और वेस्टइंडीज की चुनौतीपूर्ण पिचों पर। टीम में युवा और निर्भीक क्रिकेटर जैसे जायसवाल, रिंकू सिंह या शुभमन गिल मौजूद हैं लेकिन रोहित और कोहली बल्लेबाजी इकाई को मजबूती देंगे।'

उनका यह भी मानना है कि विश्व कप जैसे दबाव भरे टूर्नामेंट में जब टीम लक्ष्य का पीछा करेगी तो भी उनकी मौजूदगी अहम साबित होगी। भारत की 2007 और 2011 विश्व कप जीत में टीम का हिस्सा रहे रैना ने रिंकू की प्रगति पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, 'रिंकू को जो भी मौके मिले हैं, उसने उसमें काफी अच्छा किया है, उसने बतौर फिनिशर भी काफी सूझबूझ का परिचय दिया है। वह निर्भीक क्रिकेटर है।' उन्होंने कहा, 'उसका रहना महत्वपूर्ण है और अगर ऋषभ पंत विश्व कप के लिये समय रहते फिट हो जाते हैं तो टीम के पास एक और मैच विजेता होगा।'

रैना ने विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए संजू सैमसन को अपनी पहली पसंद बताते हुए उन्हें 'एक्स फैक्टर' करार दिया। इस 37 साल के पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'संजू ने हाल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार शतक जड़ा। उसमें निश्चित रूप से कप्तानी के गुण है क्योंकि जब भी वह मैदान में होता है तो वह हमेशा सोचता रहता है। हमारे पास विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका में केएल राहुल, जितेश शर्मा, इशान किशन और फिट होने के बाद पंत के रूप में काफी अच्छे विकल्प मौजूद हैं।'

रैना ने उम्मीद जताई कि सैमसन अफगानिस्तान के खिलाफ और इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में अच्छा प्रदर्शन दिखाए। उन्होंने कहा, 'मैं मध्यक्रम में संजू को देखना पसंद करूंगा क्योंकि उसके पास काफी शॉट हैं। उम्मीद करता हूं कि वह चयनकर्ताओं के टी20 विश्व कप के लिए टीम चुनने से पहले आईपीएल में भी अच्छा प्रदर्शन करे। संजू के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ अच्छा मौका है और वह विश्व कप में हमारा 'एक्स फैक्टर' हो सकता है।'

रैना का यह भी मानना है कि अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भारत के लिए चीजें आसान नहीं होंगी और बल्लेबाजों को दौरा करने वाली टीम के गेंदबाजों को दबाव में लाना पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'भारतीय बल्लेबाजों को अफगानिस्तान के स्पिनरों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करनी होगी। उनके पास नूर अहमद और आबिद नबी के रूप में शानदार

स्पिनर मौजूद हैं इसलिए हमारे लिये चीजें आसान नहीं होंगी। अफगानिस्तान पावरप्ले में अपने स्पिनरों का बखूबी इस्तेमाल करता है। हमारे पास रोहित, कोहली और गिल हैं जो स्पिन को बहुत अच्छी तरह खेलते हैं। हमें शुरू से आक्रामकता दिखानी होगी जिससे अफगानिस्तान के गेंदबाज दबाव में आ जाएंगे।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जिम है जरूरी पर बरतें सावधानियां

शीत ऋतु में भी जिम में व्यायाम करने जरूर जाएं, पर मौसम के अनुसार इस संबंध में थोड़ी सावधानी भी बरतें, ताकि आपका जिम जाना जारी रह सके और आप रहें फिट। इस मौसम में जिम जाने में क्या-क्या सावधानी बरतें

सर्दियों का मौसम जोर पकड़ रहा है। ऐसे मौसम में आमतौर पर शरीर में आलस्य बढ़ने लगता है। इससे कई बार हम व्यायाम के प्रति लापरवाह भी होने लगते हैं, जबकि इस मौसम में जिम में व्यायाम करना अधिक आवश्यक हो जाता है। इस मौसम में पसीना कम आता है, हम फूडी भी ज्यादा हो जाते हैं, भूख बढ़ जाती है। यही नहीं हमारी मूवमेंट पर भी फर्क पड़ता है। इन सभी से वजन भी बढ़ने लगता है। ऐसे में जिम जाने वालों के लिए उसे नजरअंदाज करना या पूरी तरह से बंद करना उचित नहीं। हां, यह और बात है कि कुछ बातों का ध्यान रख कर जिम में व्यायाम के समय वर्तमान जलवायु के दुष्प्रभावों से बचते हुए उसे नियमित रखा जा सकता है।

यह कितना जरूरी है

इवोल्युशन फिटनेस जिम के ओनर और फिटनेस ट्रेनर मंजीत सोलंकी बताते हैं कि कुछ लोग सर्दियां शुरू होने पर जिम में व्यायाम करना बंद कर देते हैं और जब सर्दियां खत्म होने लगती हैं, तब फिर से वर्कआउट शुरू कर देते हैं। अगर आप जिम जाते रहे हैं तो वर्कआउट पूरी तरह बंद करना बिल्कुल सही नहीं। सर्दियों में भी जिम में वर्कआउट नियमित रूप से करना चाहिए। अगर आप ज्यादा जिम नहीं जा पा रहे हैं तो भी हफ्ते में कम से कम चार दिन और करीब डेढ़ घंटे जिम में व्यायाम नियमित तौर पर करें।

अनिवार्य है व्यायाम

सर्द मौसम में कैलोरी बढ़ने लगती है और हम फैटी होने लगते हैं, इसलिए हमें अपने व्यायाम में रनिंग, वेट ट्रेनिंग और कार्डिओ शामिल रहना चाहिए। खासकर कार्डिओ व्यायाम तो ज्यादा से ज्यादा करने चाहिए। रनिंग के लिए ध्यान रखना चाहिए कि शीत ऋतु में सुबह-सुबह खुले इलाके जैसे पार्क आदि में रनिंग न करें, क्योंकि बाहर के तापमान का शरीर पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। यही नहीं, दिनचर्या में भी चलने-फिरने और घूमने वाली गतिविधियां शामिल होनी चाहिए।

पहनावे के प्रति सावधानी

हम आकर्षक दिखने के लिए पार्टी आदि में तो पहनावे के प्रति सजग रहते हैं, लेकिन व्यायाम के समय नहीं। खासकर आजकल के मौसम में व्यायाम के लिए भी हमें पहनावे का ध्यान रखना चाहिए। वर्कआउट के समय हमारा शरीर गर्म हो जाता है, इसलिए उस दौरान या उससे पहले और बाद में हमारी क्लोथिंग उचित होनी चाहिए। बकौल फिटनेस ट्रेनर मंजीत सोलंकी, जिम में व्यायाम के लिए जाते समय इनलाइन से आउटलाइन तक हमें अपने कपड़ों पर ध्यान देना चाहिए। प्रोपर कपड़े पहनने चाहिए, जिससे आपको व्यायाम करने में सहूलियत हो और तापमान की वजह से शरीर को भी परेशानी न हो। यह मौसम सिर पर सबसे जयादा प्रभाव डालता है, इसलिए जिम आते-जाते समय सिर अच्छी तरह से ढका होना चाहिए। इसके लिए विंटर कैप का इस्तेमाल करें। इससे आप सर्दियों में होने वाली बीमारियां जैसे खांसी, जुकाम, सिर दर्द, नाक व कान दर्द आदि की परेशानियों से बच सकेंगे। अक्सर लोग कार खुले में खड़ी करके उसी में जैकेट, कोट आदि छोड़ कर जिम जाते हैं और जिम में व्यायाम करने के बाद ठंड में बाहर निकलकर अपने व्हीकल तक पहुंचने के बाद जैकेट आदि पहनते हैं। इससे उनके सर्दियों संबंधी रोगों की चपेट में आने का खतरा रहता है। शरीर पर अन्य तरीकों से भी बुरा असर पड़ता है। इसलिए जिम में पहुंच कर ही जैकेट आदि उतारें और व्यायाम के बाद जिम से निकलने से पहले अपनी जैकेट, कैप आदि पहन कर ही बाहर निकलें।

जिम जाने का समय

इस मौसम में जिम जाने के लिए कोई निश्चित समय नहीं है। आप अपनी सहूलियत के अनुसार जिम जा सकते हैं। जरूरी है कि आपका शरीर रिलैक्स हो। खासकर सर्दियों में पूरा आराम करने के बाद ही वर्कआउट के लिए जाएं। अक्सर समय कम होने पर हम जिम में वर्कआउट के उपरांत तुरंत बाहर निकल जाते हैं। यह आपकी सेहत को काफी क्षति पहुंचाता है। हैवी वर्कआउट के बाद थोड़ी देर आराम करने के बाद ही जिम से बाहर जाएं।

आहार के प्रति सजग रहें

जब फिट रहने की बात हो तो खान-पान का जिक्र होना मुनासिब ही है। सर्दियों में अपने आहार में सूप अधिक शामिल करें। जिम में व्यायाम करने के बाद जूस पी सकते हैं तथा प्रोटीन से भरपूर डाइट लें। अमूमन सर्दियों में ठंडी चीजें जैसे आइसक्रीम, ठंडे पेय पदार्थ आदि के सेवन के लिए मना ही किया जाता है। ध्यान रखें कि जिम के तुरंत बाद ऐसे ठंडे पदार्थों का सेवन बिल्कुल न करें। जिम में व्यायाम करने के पश्चात आपके शरीर का तापमान काफी बढ़ा हुआ होता है, इसलिए करीब एक घंटे बाद ही ठंडी चीजों का सेवन करें। ऐसा नहीं करने से आपको गले संबंधी समस्या या नजले, जुकाम आदि की शिकायत हो सकती है।

मूंगफली हर मौसम में खास ठंड का टाइम पास

मूंगफली में सभी पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं। भारत में इसे गरीबों का काजू के नाम से भी जाना जाता है। भारत में सिकी हुई मूंगफली खाना काफी प्रचलित है, इसे टाइम पास के नाम से भी जानते हैं। जो लोग टाइम पास के नाम पर मूंगफली का सेवन करते हैं, उनमें से अधिकतर इसके गुणों के बारे में नहीं जानते और अनजाने में ही कई पौष्टिक तत्व ग्रहण कर लेते हैं, जो उनके शरीर के लिए काफी फायदेमंद रहते हैं। मूंगफली में प्रोटीन, चिकनाई और शर्करा पाई जाती है। एक अंडे के मूल्य के बराबर मूंगफलियों में जितनी प्रोटीन व ऊष्मा होती है, उतनी दूध व अंडे से संयुक्त रूप में भी नहीं होती। इसकी प्रोटीन दूध से मिलती-जुलती है, चिकनाई घी से मिलती है। मूंगफली के खाने से दूध, बादाम और घी की पूर्ति हो जाती है। मूंगफली शरीर में गर्मी पैदा करती है, इसलिए सर्दी के मौसम में ज्यादा लाभदायक है। यह खांसी में उपयोगी है व मेदे और फेफड़े को बल देती है। भोजन के बाद यदि 50 या 100 ग्राम मूंगफली प्रतिदिन खाई जाए तो सेहत बनती है, भोजन पचता है, शरीर में खून की कमी पूरी होती है और मोटापा बढ़ता है। इसे भोजन के साथ सब्जी, खीर, खिचड़ी आदि में डालकर नित्य खाना चाहिए। मूंगफली में तेल का अंश होने से यह वायु की बीमारियों को भी नष्ट करती है। मुट्ठीभर भुनी मूंगफलियां निश्चय ही पोषक तत्वों की दृष्टि से लाभकारी हैं। मूंगफली में प्रोटीन, केलोरिज और विटामिन के, ई, तथा बी होते हैं, ये अच्छा पोषण प्रदान करते हैं। मूंगफली पाचन शक्ति को बढ़ाती है, रुचिकर होती है, लेकिन गरम प्रकृति के व्यक्तियों को हानिकारक भी है। मूंगफली ज्यादा खाने से पित्त बढ़ता है अतः सावधानी रखें।

अदरक

सर्दियों में गुणकारी

अदरक व सौंठ हर मौसम में, हर घर के रसोई घर में प्रायः रहते ही हैं। इनका उपयोग घरेलू इलाज में किया जा सकता है।

- भोजन से पहले अदरक को चिप्स की तरह बारीक कतर लें। इन चिप्स पर पिसा काला नमक बुरक कर खूब चबा-चबाकर खा लें फिर भोजन करें। इससे अपच दूर होती है, पेट हलका रहता है और भूख खुलती है।
- अदरक का एक छोटा टुकड़ा छीले बिना (छिलके सहित) आग में गर्म करके छिलका उतार दें। इसे मुँह में रख कर आहिस्ता-आहिस्ता चबाते चूसते रहने से अन्दर जमा और रुका हुआ बलगम निकल जाता है और सर्दी-खाँसी ठीक हो जाती है।
- सौंठ को पानी के साथ घिसकर इसके लेप में थोड़ा सा पुराना गुड़ और 5-6 बूंद घी मिलाकर थोड़ा गर्म कर लें। बच्चे को लगने वाले दस्त इससे ठीक हो जाते हैं। ज्यादा दस्त लग रहें हों तो इसमें जायफल घिसकर मिला लें।

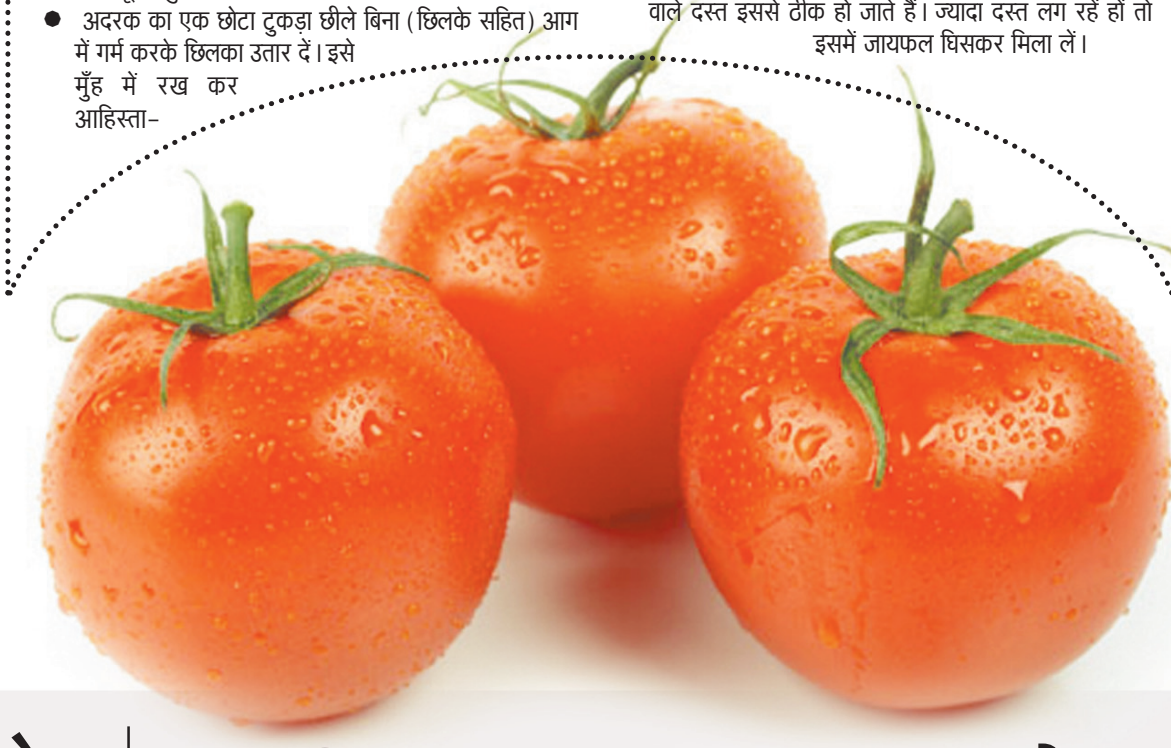

एंटीबायोटिक से नहीं रुकता जुकाम

ब्रिटेन के रॉयल कॉलेज ऑफ जनरल प्रैक्टिशनर्स और वहां के स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए एक ताजा अध्ययन के अनुसार सर्दी-जुकाम के मामूली संक्रमण के लिए एंटीबायोटिक जरूरी नहीं है। रनिंग नोज या कफ वाली खांसी की समस्या वायरस की वजह से होती है, जो थोड़े समय बाद अपने आप ठीक हो जाती है। एंटीबायोटिक्स से व्यक्ति के शरीर में मौजूद अरबों बैक्टीरिया और वायरस की प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि एंटीबायोटिक्स के लगातार सेवन से जहां एक ओर शरीर में मौजूद फायदेमंद जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, वहीं नुकसानदेह वायरस पर इन दवाओं का असर कम हो जाता है। क्योंकि ये वायरस एंटीबायोटिक्स के खिलाफ लड़ने के लिए अपनी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बना लेते हैं।

हड्डियां मजबूत करता है टमाटर

लाल टमाटर को सलाद और सब्जी से लेकर फल की तरह भी खाने के उपयोग में लाया जाता है। पौष्टिक तत्वों से भरपूर यह फल आपकी ऑस्टियोपोरोसिस जैसे रोग से बचने में सहायता कर सकता है। एक नया अध्ययन भी इस बात की पुष्टि करता है कि टमाटर के ज्यूस का सेवन इस रोग से आपको दूर रख सकता है। इसका कारण है टमाटर में पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट केरेटोनॉइड लाइकोपेन जो टमाटर को लाल रंग भी देता है। इस तरह से मजबूत हड्डियों को पाने की राह में यह बेहद आसान और बनिस्बत सस्ता रास्ता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उड़ान भरने से पहले ही दरवाजा खोलकर फ्लाइट से कूदा यात्री

-बीस फीट ऊंचाई से लगाई छलांग, हुआ घायल, विमान में मचा हड़कंप

टोरंटो । एयर कनाडा की उड़ान में उस समय हड़कंप मच गया जब विमान में सवार एक व्यक्ति ने उड़ान से पहले ही छलांग लगा दी। उसने केबिन का दरवाजा खोला और 20 फीट की ऊंचाई से विमान से नीचे कूद गया। हालांकि इस हादसे में उसे मामूली चोटें आई है। यह घटना आठ जनवरी की बताई जा रही है, जब यात्री टोरंटो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विमान में चढ़ा, लेकिन बाद में अपनी सीट पर बैठने की बजाय केबिन का दरवाजा खोलकर उसमें से बाहर कूद गया। हादसे के बाद क्षेत्रीय पुलिस और आपातकाल सेवाओं को घटनास्थल पर बुलाया गया। एयर कनाडा वेबसाइट के अनुसार, इस घटना के कारण बोइंग 747 के उड़ान भरने में छह घंटे की देरी हुई। इस संबंध में एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा ?कि इस मामले की जांच जारी है। सभी प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। उनकी चोट कितनी गहरी है, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। फिलहाल यह भी स्पष्ट नहीं है कि यात्री की इस हरकत के कारण गिरफ्तारी होगी या नहीं। विमान में आए दिन ऐसी घटनाएं हो रही हैं, अभी कुछ दिन पहले ही एक 16 वर्षीय यात्री ने एयर कनाडा की फ्लाइट में एक परिवार पर हमला किया था। इस घटना के कारण अन्य यात्रियों को तीन घंटे तक इंतजार करना पड़ा था। रॉयल कैनेडियन पुलिस ने बताया कि जब विमान टोरंटो से कैलगरी जा रहा था, तब यह हादसा हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 16 वर्षीय यात्री को अन्य यात्रियों और स्टाफ ने रोकने की कोशिश की थी। इस हमले में परिवार के सदस्यों को चोटें भी आई थी। आरोपी को हिरासत में लेने के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया था।

14 फरवरी को हिंदू मंदिर का उद्घाटन करने यूएई पहुंच रहे पीएम मोदी

दुबई । भारत में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राजदूत अब्दुल नासिर अलशाली ने कहा कि अबू धाबी में अगले महीने बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था (बीएपीएस) हिंदू मंदिर का उद्घाटन ''सहिष्णुता और स्वीकृति का जश्न मनाने'' के लिए एक महत्वपूर्ण दिन होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 फरवरी को मंदिर का उद्घाटन करने वाले हैं। राजदूत अलशाली ने कहा, हम 14 फरवरी को होने वाले उद्घाटन कार्यक्रम की प्रतीक्षा कर रहे हैं... यह एक अभूतपूर्व यादगार दिन होने के साथ सहिष्णुता, स्वीकृति का जश्न मनाने और इस रिश्ते को अधिक मजबूत करने का एक विशेष अवसर होगा। स्वामी ईश्वरचरणदास और स्वामी ब्रह्मविहरिदास ने बीते महीने बीएपीएस हिंदू मंदिर की ओर से प्रधानमंत्री को कार्यक्रम के लिए निमंत्रण दिया था, इस निमंत्रण को पीएम मोदी ने स्वीकार कर लिया था। राजदूत ने 13 फरवरी को अबू धाबी के शेख जायद स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में होने वाले प्रवासी भारतीयों के विशाल जमावड़े की भी पुष्टि की है। इस कार्यक्रम का शीर्षक 'अहलान मोदी' है जिसका अर्थ 'हैलो मोदी' है।

जेलेंस्की ने कहा, रुस को रोका जा सकता यह साबित हुआ

कीव। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उनके देश ने दुनिया को दिखाया है कि रूस की सेना को रोका जा सकता है। उन्होंने 22 महीने से जारी युद्ध में रूस की बड़ी और संसाधनों से पूर्ण सेना के खिलाफ अपने देश के लिए अधिक मदद हासिल करने के उद्देश्य से बाल्टिक देशों की यात्रा शुरू की है। लिथुआनिया की राजधानी विलनियस में जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन को रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों के खिलाफ अपनी वायु सुरक्षा को मजबूत करना है और हमें गोला-बारूद की आपूर्ति चाहिए। उन्होंने लिथुआनियाई राष्ट्रपति गिटानस नौसेदा के साथ वार्ता के बाद कहा, हमने साबित किया है कि रूस को रोका जा सकता है, मुकाबला संभव है। उन्होंने कहा, हमें आधुनिक रक्षा प्रणालियों की सख्त जरूरत है।

इजरायली हमलों में अब तक 23,357 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा (ईएमएस)। गाजा स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि गाजा पट्टी पर चल रहे इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 23,357 हो गई है। हवा, जमीन और समुद्र से इजरायली बमबारी जारी है। मंत्रालय ने कहा कि इजरायली सेना ने 24 घंटों के दौरान 147 फिलिस्तीनियों को मार डाला व 243 अन्य को घायल कर दिया। इजरायली सेना के प्रवक्ता अविचाई अद्रई ने घोषणा की कि सेना ने पिछले 24 घंटों के दौरान गाजा पट्टी में 150 से अधिक ठिकानों पर हमला किया। अद्रई ने कहा कि वायु सेना के जेट विमानों ने मध्य गाजा पट्टी में अल-मगाजी शरणार्थी शिविर में कई आतंकवादियों पर हमला किया, जबकि सेना बलों ने क्षेत्र में 15 से अधिक भूमिगत सुरंगों का खुलासा किया। उन्होंने कहा,अल-मगाज़ी में सैन्य इमारतों पर छापे के दौरान, बलों को रॉकेट चालित ग्रेनेड, रॉकेट, ड्रोन और विस्फोटक सामग्री लांच करने के लिए मंच मिले।

जर्मनी की सड़कों पर हजारों किसानों का प्रदर्शन

- ट्रैक्टर ट्राली और कृषि उपकरण लेकर सड़कों पर प्रदर्शन

बर्लिन । जर्मनी के हजारों किसानों ने सरकार के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन शुरू कर दिया है। हजारों किसान अपने ट्रैक्टर ट्राली और कृषि उपकरण लेकर साउथ जर्मनी के आगसवर्ग में प्रदर्शन कर रहे हैं।13 दिसंबर को जर्मनी की गठबंधन सरकार ने 2024 के बजट में घोषणा की। इस बजट में किसानों की सब्सिडी को घटा दिया है। सरकार ने कृषि क्षेत्र में उपयोग होने वाले डीजल पर मिलने वाले टैक्स रिफंड को खत्म कर दिया है।कृषि वाहनों पर मिलने वाली सब्सिडी भी खत्म कर दी है। जिससे नाराज किसानों के संगठनों ने 18 दिसंबर 2023 से आंदोलन शुरू किया था। यह आंदोलन धीरे-धीरे सारे जर्मनी में फैल गया है। जर्मनी के सभी शहरों में जबरदस्त आंदोलन हो रहा है। म्यूनिख, बर्लिन सहित कई बड़े शहरों के हाईवे और सड़कों को किसानों ने जाम कर दिया है। किसानों ने सड़क पर खाद भी फैला दी है। किसानों के जबरदस्त विरोध के कारण फ्रांस, पोलैंड और चेक गणराज्य के साथ जर्मनी की सीमाओं में आवागमन को लेकर भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। किसान आंदोलन को समर्थन देने के लिए,जर्मनी के ट्रेन ड्राइवरों की हड़ताल भी शुरू हो गई है।जिसके कारण पूरी व्यवस्था चरमरा गई है। जर्मनी में लोगों को सब्जी, दूध इत्यादि नहीं मिल पा रहा है। रास्ते जाम होने के कारण पेट्रोल डीजल जैसी समस्याएं भी बढ़ती ही जा रही हैं। दो सप्ताह से अधिक चल रही किसानो की हड़ताल के कारण जर्मनी के लोगों को खाद्य पदार्थ भी नहीं मिल पा रहे हैं। इसको लेकर अफरा तफरी का माहौल बन गया है। जर्मनी के किसान संगठनों ने भारत में हुए 1 साल से अधिक चले किसान आंदोलन से प्रभावित होकर पहली बार इस तरह का आंदोलन जर्मनी में कर रहे हैं। इससे जर्मन सरकार की मुसीबत बढ़ गई है।

जुआ कंपनी से कमाए करोड़ो,आज ब्रिटेन की सबसे अमीर महिलाओं में शुमार है डेनिस

लंदन। एक अच्छे बिजनेस की शुरुआत के लिए लोग बड़ी प्लानिंग के साथ बड़ी रकम लगाते हैं। इसके बाद भी सफलता की कोई गारंटी नहीं होती है। लेकिन ब्रिटेन की डेनिस ने बगैर मोटी रकम लगाए जुआ कंपनी से इतना कमा लिया है कि वो ब्रिटेन की सबसे अमीर महिलाओं में शुमार हो गई है। उसकी सेलरी इतनी है कि सुनने वाले भी चौंक जाते हैं। बेटींग कंपनी की चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर डेनिस कोट्स ब्रिटेन की सबसे अधिक वेतन पाने वाली महिला हैं। इतना ही नहीं, वो दुनिया में सबसे अधिक वेतन पाने वाली सीईओ में से एक हैं। वेतन के मामले में डेनिस ने ब्रिटेन के पीएम को भी पीछे छोड़ दिया है। हालांकि, उनकी इतनी कमाई को लेकर कई तरह के सवाल भी हैं। कुछ ग्रुप्स का ये दावा है कि डेनिस का जो वेतन बताया जा रहा है वो सही नहीं है। डेनिस कोट्स ने साल 2000 में बेटिंग प्लेटफॉर्म बेट 365 की शुरुआत की थी। बेटिंग प्लेटफॉर्म बेट 365 पर अब करीब 9 करोड़ यूजर हैं। कंपनी ने 2023 में करीब 421 यानी 35 हजार करोड़ रुपये का बिजनेस किया। हालांकि, कंपनी के गेमिंग सेक्शन को 630 करोड़ रुपये का घाटा हुआ, लेकिन टोटल प्रॉफिट बीते साल से ज्यादा ही रहा, और डेनिस आज ब्रिटेन की सबसे अमीर महिलाओं में आती हैं।जुआ कंपनी बेट365 की फाउंडर और मालिक ने 26 मार्च, 2023 को समाप्त हुए पिछले वित्तीय वर्ष में लगभग 281 मिलियन डॉलर सैलरी ली है। ये इतनी बड़ी रकम है, कि बड़ी-बड़ी कंपनियों की पूरी इनकम इतनी नहीं होती।

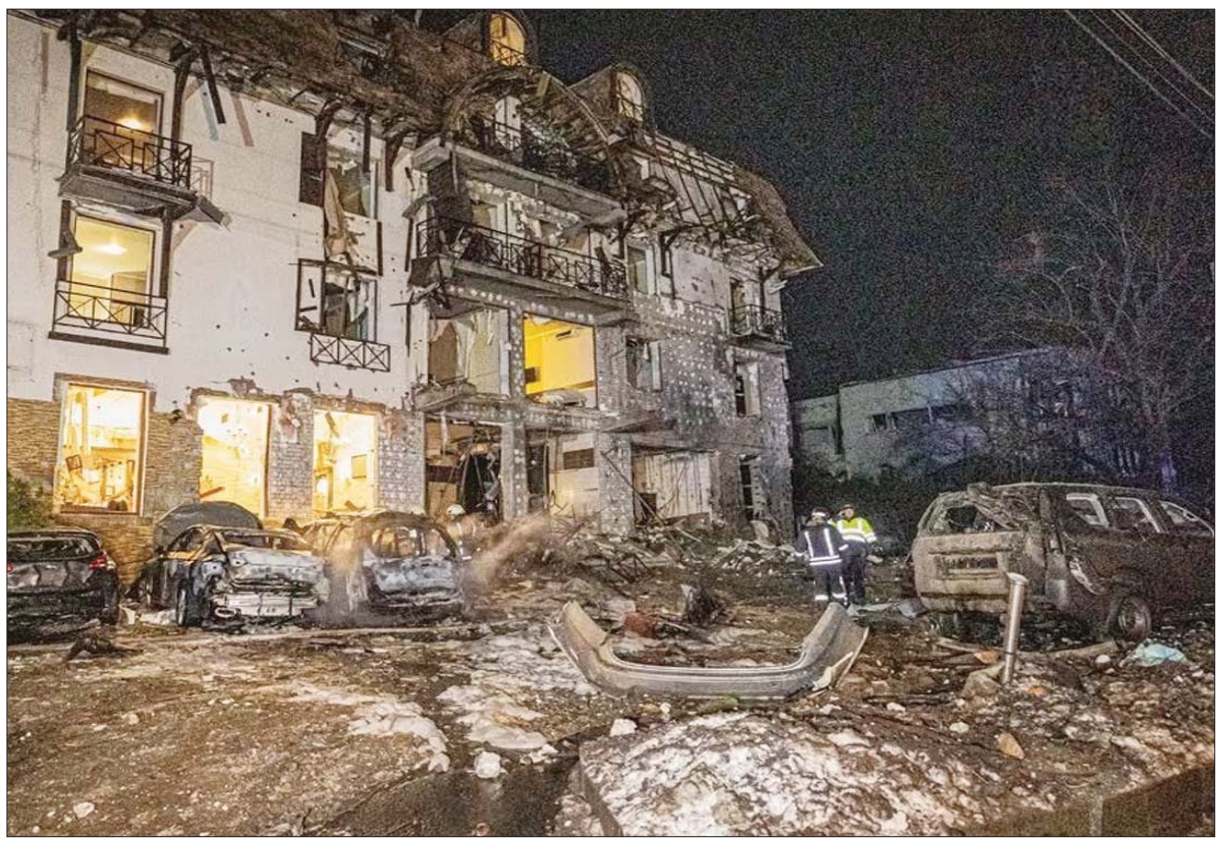

खारकीव में एक होटल पर रुसी मिसाइल हमले के बाद वहां के हालात देखते हुए बचावकर्मी।

पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी 2024 की रिपब्लिकन दौड़ से हुए बाहर

वाशिंगटन। न्यू जर्सी के पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी 2024 की रिपब्लिकन दौड़ से बाहर हो गए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 61 वर्षीय व्यक्ति ने देश में पहली प्राथमिक परीक्षा से 13 दिन पहले बुधवार रात को न्यू हैम्पशायर राज्य में एक टाउन हॉल कार्यक्रम में यह घोषणा की। ट्रम्प के सबसे बड़े आलोचक माने जाने वाले क्रिस्टी ने अपनी अधिकांश घोषणा रिपब्लिकन मतदाताओं से पूर्व राष्ट्रपति को अस्वीकार करने की अपील करते हुए की है। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रम्प चाहते हैं कि आप हर दिन क्रोधित हों, मैं किसी भी तरह से डोनाल्ड ट्रम्प को दोबारा संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति बनने नहीं दूंगा। उन्होंने कहा कि जो कोई यह कहने को तैयार नहीं है कि (ट्रंप) संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के लिए अयोग्य हैं, वे खुद संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के लिए अयोग्य हैं। उन्होंने लोगों यह भी कहा कि आज रात मुझे यह भान हो गया है कि मेरे लिए नामांकन जीतने का कोई रास्ता नहीं है, इसलिए मैं आज रात अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए अपना अभियान स्थगित कर रहा हूं, उन्होंने इसे मेरे लिए सही काम बताया है। सूत्र बताते हैं कि अपनी घोषणा करने से पहले, उन्हें रिपब्लिकन दौड़ में अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वियों - फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और दक्षिण कैरोलिना के पूर्व गवर्नर निक्की हेली के खिलाफ लाइव माइक्रोफोन पर कुछ अनौपचारिक टिप्पणी करते हुए पकड़ा गया था। वह धूम्रपान करने वाली है और आप और मैं दोनों इसे जानते हैं। वह इसके लिए तैयार नहीं है, क्रिस्टी को स्पष्ट रूप से हेली के संदर्भ में यह कहते हुए सुना जा सकता है। न्यू जर्सी के पूर्व गवर्नर ने यह भी उल्लेख किया कि डेसेंटिस ने उनसे संपर्क किया था। क्रिस्टी ने ऑडियो कट आउट होने से पहले कहा, डीसेंटिस ने मुझे फोन किया, मुझे डर था। उनके बाहर निकलने के जवाब में हेली ने क्रिस्टी को कई वर्षों का दोस्त कहा और कड़ी मेहनत से लड़े गए अभियान के लिए उनकी सराहना भी की है।

शेख हसीना मंत्रिमंडल में 25 कैबिनेट मंत्री, 11 राज्यमंत्री होंगे

- शेख हसीना की नई कैबिनेट को राष्ट्रपति शहाबुद्दीन शपथ दिलाएंगे

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने नए मंत्रिमंडल में पार्टी के करीब 25 सांसदों को कैबिनेट मंत्री और 11 को राज्यमंत्री बनने के लिए आमंत्रित किया है, जबकि उन्होंने अपने कई पुराने सहयोगियों को हटा दिया है और कई नए चेहरों को शामिल किया है। 7 जनवरी को हुए चुनावों में अवामी लीग द्वारा लगातार चौथा कार्यकाल हासिल करने के बाद शेख हसीना की नई कैबिनेट को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन गुरुवार शाम यहां बंगभवन में शपथ दिलाएंगे। बुधवार को एक ब्रीफिंग में कैबिनेट डिवीजन सचिव एमडी महबूब हुसैन ने कहा कि नए कैबिनेट में 25 मंत्री शामिल होंगे और 11 राज्यमंत्री और उपमंत्री होंगे। शपथ ग्रहण समारोह के बाद प्रधानमंत्री नई कैबिनेट के मंत्रियों, राज्यमंत्रियों और उपमंत्रियों के बीच विभागों का वितरण करेंगे। प्रधानमंत्री शेख हसीना कुछ विश्वसनीय सहयोगियों को बरकरार रख रही हैं, जिनमें कुछ एएल दिग्गज भी शामिल हैं, लेकिन उनके पोर्टफोलियो बदल सकते हैं। गृहमंत्री असदुज्जमां खान ने कहा कि उन्हें बुधवार शाम कैबिनेट डिवीजन से फोन आया। उन्होंने कहा कि मुझे किसी मंत्रालय का जिक्र किए बिना गुरुवार को शपथ लेने के लिए कहा गया था। स्थानीय सरकार के मंत्री ताजुल इस्लाम ने भी कहा कि उन्हें भी इसी तरह का फोन आया था, बिना इस बात की पुष्टि किए कि उन्हें कौन सा मंत्रालय मिलेगा। कानून मंत्री अनीसुल हक, शिक्षा मंत्री दीपू मोनी, उद्योग मंत्री नुरुल माजिद महमूद हुमायूं और सूचना मंत्री हसन महमूद ने भी कहा कि उन्हें शपथ ग्रहण के लिए फोन आए हैं। ऐसी अटकलें थीं कि निजी उद्योग और निवेश पर प्रधानमंत्री के सलाहकार सलमान एफ. रहमान को नए मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है, लेकिन उन्होंने बताया कि उन्हें हसीना की नई मंत्रिपरिषद में शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था।

जहांगीर कबीर नानक जिन्होंने 2009-2014 सरकार में स्थानीय सरकार के राज्यमंत्री के रूप में काम किया था, लेकिन उन्हें अगली सरकार में जगह नहीं मिली, उन्होंने भी कहा कि उन्हें भी एक फोन आया था। ओबैदुल कादर, ए.के.एम मोजम्मेल हक, मुहम्मद फारुक खान और अबुल हसन महमूद अली नए कैबिनेट सदस्यों में से हैं, जिन्हें प्रमुख मंत्रालय सौंपे जाएंगे। अवामी लीग के महासचिव क्वाडर ने बताया कि उन्होंने सड़क परिवहन और पुल मंत्री के रूप में अपना पद बरकरार रखा है। नए मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में चुने गए अन्य लोग हैं मोहम्मद अब्दुस शाहिद, साधन चंद्र मजूमदार, आर.ए.एम. उबैदुल मुक्तदिर चौधरी, मोहम्मद अब्दुर रहमान, नारायण चंद्र चंदा, अब्दुस सलाम, मोहिबुल हसन चौधरी, फरहाद हुसैन, मोहम्मद फरीदुल हक खान, मोहम्मद जुलिल हकीम, सबर हुसैन चौधरी, नजमुल हसन।याफेश उस्मान और डॉ. सामंत लाल सेन टेक्नोक्रेट कोटा के तहत होंगे। राज्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए जिन लोगों को आमंत्रित किया गया है, उनमें बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के करीबी सहयोगी ताजुद्दीन अहमद की बेटी सिमिन हुसैन रिमी, नसरुल हामिद, जुनैद अहमद पलक, मोहम्मद अली अराफात, मोहम्मद मोहिब्बुर रहमान, खालिद महमूद चौधरी, जाहिद फारुक शामिल हैं। कुजेंद्र लाल त्रिपुरा, बेगम रूमाना अली, शफीकुर रहमान चौधरी और अहसानुल इस्लाम टीटो।

पन्नू को मारने की साजिश के अमेरिकी दावे पर कोर्ट ने मांगे सबूत

न्यूयॉर्क(एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को साजिश के तहत मारने के अमेरिकी दावों पर वहां की कोर्ट सख्त हो गई है। न्यूयॉर्क की एक अदालत ने अमेरिका की सरकार से दस्तावेजी सबूत मांगे हैं। अदालत ने अमेरिकी सरकार को निखिल गुप्ता के वकीलों द्वारा दायर एक प्रस्ताव का जवाब देने का आदेश दिया है, जिसमें उनके खिलाफ आरोपों से संबंधित दस्तावेजी सबूतों की मांग की गई है। भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर अमेरिकी अधिकारियों ने खालिस्तानी अलगावादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की साजिश रचने का आरोप लगाया है।

बता दें कि अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि 52 वर्षीय गुप्ता खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की साजिश में शामिल था। पन्नू के पास यूएस और कनाडा की दोहरी नागरिकता है। वहीं परिवार ने पिछले दिनों भारतीय सुप्रीम कोर्ट में दायर एक याचिका में कहा था कि कारोबारी निखिल गुप्ता यात्रा पर चेक गणराज्य गए थे। उन्हें 30 जून को प्राग हवाई अड्डे पर अवैध रूप से हिरासत में लिया गया और लगभग 100 दिनों तक एकांत कारावास में रखा गया। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि गुप्ता की गिरफ्तारी के नियमों के तहत नहीं की गई और इसमें कई अनियमितताएं थीं। इस मामले को लेकर पिछले साल नवंबर में, अमेरिकी न्याय विभाग ने मैनहट्टन की एक संघीय अदालत में दायर एक मुकदमें में दावा किया था कि एक भारतीय अधिकारी पन्नू को मारने की नाकाम साजिश में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता के साथ काम कर रहा था। न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी मैथ्यू जी ऑलसेन ने कहा है कि 52 वर्षीय निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या के लिए हत्यारे को हायर करने का आरोप लगाया गया है, जिसमें अधिकतम 10 साल जेल की सजा का प्रावधान है।

अमेरिकी जिला न्यायाधीश विक्टर मारेरो ने 8 जनवरी को आदेश में कहा, 4 जनवरी, 2024 को, बचाव पक्ष के वकील ने आरोपों से संबंधित सभी दस्तावेजों को पेश करने के लिए एक प्रस्ताव दायर किया। इसमें अनुरोध किया गया कि अदालत एक आदेश दे जिसमें सरकार को निर्देश दिया जाए कि वह बचाव पक्ष के वकील को संबंधित दस्तावेज प्रदान करे। यह कोर्ट सरकार को इस आदेश की तारीख के तीन दिनों के भीतर संबंधित दस्तावेजी सबूत पेश करने के प्रस्ताव पर जवाब दाखिल करने का निर्देश देती है।अदालत का ये आदेश अमेरिकी सरकार के लिए झटका माना जा रहा है। दरअसल निखिल गुप्ता इस समय चेक रिपब्लिक की जेल में बंद हैं। अमेरिका निखिल के प्रत्यर्पण को लेकर पूरा जोर लगा रहा है।

नेपाल का चमत्कारी बुद्ध बॉय गिरफ्तार, बलात्कार, यौन शोषण का लगा आरोप

काठमांडू (एजेंसी)। पुलिस ने बुधवार को कहा कि एक नेपाली व्यक्ति, जिसके बारे में हजारों लोग मानते थे कि वह बुद्ध का अवतार था और जिसने किशोरावस्था में अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया था, को बलात्कार और यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। नेपाल पुलिस के केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीआईबी) ने कहा कि उन्होंने 33 वर्षीय राम बहादुर बोमजोन को मंगलवार को काठमांडू के बाहरी इलाके में एक घर से गिरफ्तार किया, जहां वह छिपा हुआ था। सीआईबी ने एक बयान में कहा कि हमारी टीम ने उसे उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वह घर की खिड़की से कूदकर भागने की कोशिश कर रहा था।

एक किशोर के रूप में बोमजोन को बुद्ध बालक के रूप में जाना जाने लगा और उन्होंने 2005 में अंतर्राष्ट्रीय सुर्खियाँ बटोरीं जब अनुयायियों ने कहा कि वह कई दिनों तक बिना पानी, भोजन या नींद के निश्चल ध्यान कर सकते हैं। उन्होंने 100,000 से अधिक लोगों को दक्षिण-पूर्वी नेपाल के घने जंगलों में एक पेड़ के नीचे क्रॉस लेग्ड बैठे देखने के लिए आकर्षित किया। पुलिस हिरासत में टिप्पणी के लिए बोमजोन से संपर्क नहीं किया जा सका, और यह स्पष्ट नहीं था कि उसके पास अभी तक कोई वकील था या नहीं। सीआईबी प्रवक्ता नवाज अधिकारी ने कहा कि बोमजोन को सरलाही जिला अदालत भेजा जाएगा, जिसने उसके लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

भारत से तल्खी के बावजूद चीन-मालदीव के बीच 20 समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

बीजिंग (एजेंसी)। भारत से तल्खी के बावजूद चीन व मालदीव के बीच 20 समझौतों पर हस्ताक्षर होने के समाचार मिले हैं। बता दें कि पीएम नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अपने मंत्रियों की आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर मालदीव के भारत से रिश्ते तल्ख हो चुके हैं। इस बीच मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने बुधवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। इसके बाद दोनों देशों ने पर्यटन सहयोग सहित 20 अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए और अपने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने की घोषणा की। इस दौरान मुइज्जू ने कहा कि वह इस बात को लेकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं कि वह अपनी पहली राजकीय यात्रा पर चीन आए हैं तथा वह इस वर्ष चीन आने वाले पहले विदेशी राष्ट्राध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष द्विपक्षीय संबंधों को

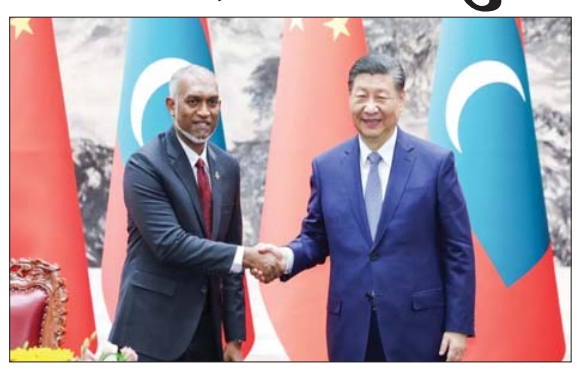

अधिक महत्व देते हैं। जानकारी के अनुसार शी ने इस बात पर बल दिया है कि चीन राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुकूल विकास की राह तलाशने में मालदीव का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि चीन राष्ट्रीय संप्रभुता, स्वतंत्रता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय गरिमा की रक्षा करने में मालदीव का दृढ़तापूर्वक समर्थन करता है।

इस दौरान दोनों राष्ट्रपतियों ने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने की भी घोषणा की। मालदीव के राष्ट्रपति के कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज दोपहर मालदीव और चीन की सरकारों के बीच 20 अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए और इस मौके पर दोनों राष्ट्रपति मौजूद थे। इन समझौतों में पर्यटन सहयोग, आपदा जोखिम में कमी, समुद्री अर्थव्यवस्था, डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेश को मजबूती देना और 'बेल्ट एंड रोड' पहल शामिल हैं। इस बीच चीन मालदीव को अनुदान सहायता भी देने को तैयार हो गया है लेकिन राशि का खुलासा नहीं किया गया। इस यात्रा के दौरान मुइज्जू और उनकी पत्नी साजिदा मोहम्मद का बीजिंग में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। राष्ट्रपति शी और उनकी पत्नी पेंग लियुआन ने उनके सम्मान में राजकीय भोज का आयोजन किया। बता दें कि मालदीव के राष्ट्रपति की चीन की राजकीय यात्रा पीएम मोदी के खिलाफ उनके मंत्रियों की अपमानजनक टिप्पणियों और यूरोपीय संघ चुनाव अवलोकन मिशन की एक रिपोर्ट जारी होने के संदर्भ में हो रही है।

भरत-ब्रिटेन व्यापार, रक्षा और प्रौद्योगिकी में साथ मिलकर काम करने पर सहमत

-राजनाथ सिंह ने लंदन में पीएम सुनक से की मुलाकात, रामदरबार किया भेंट

लंदन (एजेंसी)। भारत और ब्रिटेन व्यापार, रक्षा और प्रौद्योगिकी में साथ मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। यह सहमति रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक से मुलाकात के बाद व्यक्त की गई। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दोनों देशों ने अपने ऐतिहासिक संबंधों को आधुनिक, बहुआयामी और पारस्परिक रूप से लाभप्रद साझेदारी में ढालने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। ब्रिटेन दौरे पर गए भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लंदन में प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से उनके आधिकारिक निवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट, लंदन में की। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि दोनों देशों ने अपने ऐतिहासिक संबंधों को आधुनिक, बहुआयामी और पारस्परिक रूप से लाभप्रद साझेदारी में ढालने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। ब्रिटेन और अन्य समान विचारधारा वाले देशों को शांतिपूर्ण और स्थिर वैश्विक नियम आधारित व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि भारत के उत्थान में सहयोगी बन सकें। ब्रिटेन के पीएम सुनक ने भी व्यापार, रक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दोनों देशों के साथ मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच चल रहे मुक्त व्यापार समझौते को सफल बनाया जा सकता है।

इस मुलाकात के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक को राम दरबार की प्रतिमा उपहारस्वरूप दी। मुलाकात के दौरान ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सर टिम बैरो भी मौजूद रहे। वहीं लंदन के इंडिया हाउस में एक कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में एक लेख का उदाहरण देते हुए कहा कि चीन का भी अब भारत को लेकर नजरिया बदल चुका है और चीन, भारत को एक उभरती आर्थिक ताकत और रणनीतिक ताकत के रूप में स्वीकार करता है। राजनाथ सिंह ने इसकी वजह देश के तेज आर्थिक विकास और मजबूत विदेश नीति को दिया। राजनाथ सिंह ने ये भी कहा कि गलवान घाटी में हुई भारतीय और चीनी सैनिकों की झड़प के बाद से चीन का भारत के प्रति रुख बदला है। अब भारत कमजोर नहीं बल्कि इसे उभरती हुई वैश्विक ताकत के तौर पर उभरा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अब ऐसा नहीं है कि कि भारत को आंख दिखा के जो

चाहे सो निकल जाए। उन्होंने कहा कि हम किसी को भी दुश्मन देश के तौर पर नहीं देखते, लेकिन दुनिया इस बात से वाकिफ है कि भारत और चीन के रिश्तों में तनाव है। हालांकि हम चाहते हैं कि अपने पड़ोसी देशों और दुनिया के अन्य देशों के साथ दोस्ताना संबंध रखें। बता दें कि राजनाथ सिंह का विदेश मंत्री के रुप में ब्रिटेन का बीते बीस सालों में यह पहला दौरा है। इस दौरान उन्होंने लंदन में ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड कैमरून से भी मुलाकात की।

सपा कार्यालय के बाहर लगा होर्डिंग..डिंपल यादव को बताया भावी सीएम

-होर्डिंग में अखिलेश यादव की कोई फोटों नहीं

लखनऊ ।लखनऊ में समाजवादी पार्टी के कार्यालय के बाहर एक ऐसा होर्डिंग लगा है, इस होर्डिंग ने सभी को चौंका दिया।दरअसल होर्डिंग में सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव की पत्नी और मैनपुरी सांसद डिपंल यादव को उत्तर प्रदेश का भावी मुख्यमंत्री बताया गया है।जिसके बाद यूपी की राजनीति में तरह-तरह की अटकलें लग रही हैं। सपा दफ्तर के बाहर लगे पोस्टर को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता अब्दुल अजीम ने लगवाया है।दरअसल 15 जनवरी को डिपंल का जन्मदिन है।पार्टी कार्यालय के बाहर लगे होर्डिंग में उन्हें जन्मदिन की बधाई दी गई है।साथ ही बताया गया है कि उस दिन कंबल वितरण कार्यक्रम भी रखा गया है।सपा कार्यकर्ता अजीम द्वारा लगवाए गए पोस्टर में लिखा है, आधी आबादी का नेतृत्व करने वाली देश की सबसे सरल स्वभाव की सांसद और यूपी की भावी मुख्यमंत्री को अवतरण दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।इसके अलावा होर्डिंग में एक ओर सपा संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव और दूसरी ओर आजम खान और शिवपाल की फोटो लगी है।इसके पहले बीते साल अक्टूबर में सपा के लखनऊ कार्यालय पर अखिलेश यादव के पोस्टर लगाए गए थे, जिसमें उन्हें भावी प्रधानमंत्री बताया गया था। हालांकि अखिलेश ने इस लेकर कहा था कि अगर किसी समर्थक ने पोस्टर लगाया है, तब वह वहीं व्यक्त कर रहा है जो वह चाहता है।समाजवादियों का लक्ष्य भाजपा को रोकना है।

अनंतनाग में हुआ महबूबा मुफ्ती की कार का एक्सीडेंट, बाल-बाल बचीं पूर्व सीएम

श्री नगर।जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती गुरुवार को उस समय बाल-बाल बच गईं जब उनका वाहन दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के संगम इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों के मुताबिक, संगम इलाके में महबूबा की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। महबूबा मुफ्ती को कोई चोट नहीं आई; हालाँकि, रिपोर्टों में कहा गया है कि उनके ड्राइवर के पैर में मामूली चोट आई है।मुफ्ती आग लगने की घटना के पीड़ितों से मिलने के लिए खानबल जा रही थीं। वहीं, उनकी निजी सुरक्षा में तैनात एक पुलिस अधिकारी को मामूली चोटें आईं। पीडीपी अध्यक्ष अपनी निर्धारित यात्रा पर आगे बढ़ीं। उनकी बेटी इल्तिजा ने एक्स पर पोस्ट किया, 'सुश्री मुफ्ती की कार आज अनंतनाग के रास्ते में एक भयानक दुर्घटना का शिकार हो गई।ईश्वर की कृपा से वह और उनके सुरक्षा अधिकारी बिना किसी गंभीर चोट के सुरक्षित बच गए।'

महाराष्ट्र में बढ़ रहा है कोरोना का खतरा, नए वेरिएंट जेएन.1 के 200 से अधिक मामले दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र में पिछले कुछ दिनों में कोरोना मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है. कोरोना के मरीज बढ़ने से स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है. पिछले 24 घंटों में देश में 605 नए कोरोना मरीज सामने आए हैं। महाराष्ट्र में कोरोना के नए सब-वेरिएंट जेएन.1 के मामले बढ़ते दिख रहे हैं। महाराष्ट्र में जेएन.1 मामलों की संख्या 200 को पार कर गई है. वर्तमान में दिखने वाला जेएन.1 उप-संस्करण ओमिक्रॉन का वंशज है। इसे पहले बीए.2.86 या पिरोला के नाम से जाना जाता था। सबसे पहले इसकी सूचना केरल में दी गई थी। जानकारी के अनुसार, दिसंबर 2023 में 239 मामले और नवंबर 2023 में 24 मामले वेरिएंट जेएन.1 के निर्धारित किए गए थे। बहरहाल महाराष्ट्र में लगातार कोरोना संक्रमण के बढ़ने से स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है और इस संक्रमण को रोकने के लिए एहतियात बरतने की तैयारी की जा रही है.

अभी तक नहीं मिली मॉडल दिव्या की डेड बॉडी, 8 दिन से आरोपी भी गायब

गुड़गांव ।मर्डर के बाद से 8 दिन हो गए लेकिन मॉडल दिव्या की अभी तक न डेड बॉडी मिली और न ही आरोपी का कोई सुराग हाथ लगा है।जानकारी के अनुसार गैंगस्टर संदीप गाडोली की मॉडल गर्लफ्रैंड दिव्या पाहुजा मर्डर केस में लाश ठिकाने लगाने वाले आरोपी बलराज गिल और रवि बांगा का पुलिस ने लुक आऊट सर्कुलर जारी किया है। पुलिस ने दोनों वांछितों पर 50-50 हजार रुपए का ईनाम भी रखा है। विदेश भागने की संभावनाओं के चलते दोनों की गिरफ्तारी के लिए गुरुग्राम पुलिस क्राइम ब्रांच की 6 टीमों द्वारा हरियाणा, पंजाब व हिमाचल में छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने 5 दिन का रिमांड पूरा होने पर मुख्य आरोपी अभिजीत को अदालत में पेश किया।कोर्ट के समक्ष पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कहा कि अभिजीत पुलिस जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। वारदात में प्रयोग किया हथियार और दिव्या का आई- फोन कहां फेंका गया या नष्ट किया गया, इसकी तफ्तीश बाकी है।जिसके बाद कोर्ट ने अभिजीत का 6 दिन का रिमांड और मंजूर कर दिया।दूसरी ओर बुधवार को मेघा का 2 दिन का रिमांड पूरा होने पर उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। बता दें कि दिव्या हत्याकांड के मास्टरमाइंड होटल मालिक अभिजीत और लाश को होटल से बाहर तक ले जाने में मदद करने वाले ओमप्रकाश और हेमराज को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। इसके बाद पुलिस ने अभिजीत की गर्लफ्रैंड मेघा को भी गिरफ्तार कर लिया।हालांकि दिव्या मर्डर केस को 8 दिन हो गए हैं और पुलिस के हाथ अभी तक उसका शव नहीं लगा है। पुलिस सूत्रों ने कहा कि दोनों आरोपियों ने दिव्या के शव को भाखड़ा नहर में फेंक दिया और अंडरग्राउंड हो गए।

शक्ति नहर हादसे में तीसरे दिन मिली 5वीं लाश, दुर्घटना का वीडियो भी आया

ऋषिकेश ।ऋषिकेश के पास चीला रोड पर शक्ति नहर में हुए हादसे में एक और शव मिला है।इस तरह मृतकों की संख्या बढ़कर अब 5 हो गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार शक्ति नहर में तीन दिन की तलाशी के बाद गुरुवार सुबह वार्डन आलोकी देवी का शव बरामद कर लिया गया। सर्चिंग ऑपरेशन के तीसरे दिन एसडीआरएफ को यह कामयाबी मिली है। निरीक्षक कवींद्र सजवाण के मुताबिक बरामद शव की शिनाख्त लापता राजाजी पार्क की वार्डन आलोकी के रूप में कर ली गई है। शव को लक्ष्मणझूला पुलिस के सुपुर्द कर पोस्टमार्टम के लिए एम्स भिजवाया गया। बता दें कि सोमवार को हुई दुर्घटना में दो रेंजरों समेत चार लोगों की मौत हो गई थी। चीला वार्डन आलोकी देवी शक्तिनहर में गिरने के कारण लापता हो गईं थीं।हादसे में पांच लोग गंभीर घायल हुए हैं, जिन्हें एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया। इस दौरान बैराज मार्ग पर सड़क हादसे में घायल और जान गंवाने वाले वन अधिकारियों के हादसे का एक वीडियो भी सामने आ गया है। इससे पता चल रहा है कि हादसा वाहन के अनियंत्रित होने के कारण हुआ था।यह अनियंत्रित होकर पेड़ पर टकराया था। जिसके बाद टायर फटा और हादसा हो गया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि इससे पहले भी बुधवार को सड़क हादसे में जान गंवाने वाले अधिकारियों का हादसे से पहले का एक वीडियो सोशल मीडिया आया था। इसमें ट्रायल वाहन में अधिकारी और कर्मचारी बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। हंसी-खुशी के साथ सभी वन अधिकारी इंटरसेप्टर वाहन का आनंद लेते नजर आ रहे हैं। ड्राइवर के बगल में एक वन कर्मचारी बैठा हुआ दिखाई दे रहा है। जबकि बीच वाली सीट पर तीन वन अधिकारी और कर्मचारी बैठे हुए हैं।इनमें से कोने पर बैठा हुआ एक वन कर्मचारी मोबाइल के फ्रंट कैमरे से सभी की वीडियो बना रहा है।पीछे वाली सीट पर वार्डन अलोकी समेत दो वन अधिकारी बैठे दिख रहे हैं और तीन वन कर्मचारी वाहन में पीछे खड़े हैं।इसके कुछ ही देर बाद यह हादसा हो गया।

मूसेवाला हत्याकांड के आरोपियों के घर एनआईए ने दी दबिश, हुई पूछताछ

चंडीगढ़ ।एनआईए के अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस को साथ लेकर मूसेवाला हत्याकांड के आरोपियों के घर दबिश दी।इस दौरान दोनों परिवार से पूछताछ की और उनके मकानों को खंगाला। गुरुवार तड़के पांच बजे से लेकर करीब 7 बजे तक दोनों के परिवार वालों से एनआईए के अधिकारियों ने पूछताछ की।बता दें कि आरोपी अंकित सेरसा सोनीपत के गांव सेरसा का रहने वाला है वहीं प्रियव्रत फौजी का परिवार गांव गढ़ी सिसाना में रहता है। गैंगस्टर और उनके गुर्गों पर शिकंजा कसने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने सुबह पांच बजे सोनीपत के गांव गढ़ी सिसाना में कुख्यात प्रियव्रत फौजी व सेरसा में अंकित के घर पर दबिश दी।टीम ने दोनों के घरों को खंगालने के साथ ही प्रियव्रत फौजी की मां और अंकित सेरसा के पिता से पूछताछ की। इसके बाद टीम वापस लौट गई। गुरुवार सुबह पांच बजे ही सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के मुख्य आरोपी और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शार्प शूटर प्रियव्रत फौजी और अंकित सेरसा के घर पर एनआईए की टीम ने दबिश दी।

शरद पवार के लिए फिर मुसीबत: शिवसेना शिंदे की हो गई, अब क्या अजीत की होगी एनसीपी?

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में दो बड़े दल शिवसेना और एनसीपी कभी किंगमेकर हुआ करते थे। आज दोनों दल दो-दो गुटो में बंट गए हैं। शिवसेना किस की है इसका फैसला स्पीकर राहुल नार्वेकर ने दे दिया है। बीते रोज उन्होने साफ कर दिया कि शिंदे की ही असली शिवसेना है। इसके बाद बारी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी की है। इसमें शरद पवार और अजीत पवार के बीच जंग छिड़ी हुई है। दोनों ही दिग्गज नेता एनसीपी पर अपना अपना दावा ठोक रहे हैं। ऐसे में शरद पवार की धड़कने तेज होना लाजिमी है। माना जा रहा है कि कहीं शिवसेना जैसा ही हाल एनसीपी का न हो जाए। कहीं असली एनसीपी अजीत पवार की हो गई तो शरद पवार के लिए बड़ा राजनैतिक झटका होगा। इस तरह की चर्चा इसलिए जोर पकड़ रही है कि एनसीपी पर 31 जनवरी तक स्पीकर को फैसला लेना है।

महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर से उद्धव ठाकरे को जिस तरह से झटका मिला है, ऐसे में अब सबकी नजरें शरद पवार और अजित पवार के बीच जारी जंग पर टिक गई है। जिस तरह से उद्धव के खिलाफ और एकनाथ शिंदे के पक्ष में स्पीकर का फैसला आया है, ऐसे में शरद पवार की भी बेचैनी बढ़ सकती है। यहां बताना जरूरी है कि शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने बगावत कर दी थी। एनसीपी में दो जुलाई को तब विभाजन हो गया था, जब अजित पवार और आठ अन्य विधायक एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गये थे। इन आठ विधायकों में छगन भुजबल, हसन मुशरिफ, दिलीप वलसे पाटिल आदि शामिल हैं। माना जा रहा है कि इस मामले में आखिरी सुनवाई 25 जनवरी से शुरू होगी, जो 27 जनवरी तक चलेगी और इसके बाद फिर स्पीकर अपना फैसला सुनाएंगे।

महाराष्ट्र में शिवसेना के बाद अब किसकी एनसीपी है असली, इस पर फैसले की बारी है। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने शिवसेना पर अपना फैसला सुना दिया और एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना को ही असली शिवसेना माना। इस फैसले से आहत उद्धव ठाकरे ने अब सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही है। उद्धव ठाकरे पर स्पीकर के फैसले के बाद अब शरद पवार की बारी है। शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार के बीच असली एनसीपी किसकी है, पर जंग जारी है, जिसे लेकर इस महीने यानी 31 जनवरी तक स्पीकर राहुल नार्वेकर को फैसला लेना है।

दरअसल, महाराष्ट्र के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने बुधवार को असली शिवसैनिक कौन से जुड़े अयोग्यता संबंधी कई याचिकाओं का निपटारा कर दिया। मगर अब एनसीपी के दो गुटों के बीच जारी झगड़े का फैसला करना है। एनसीपी गुट द्वारा दायर याचिकाओं पर उन्हें सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के मुताबिक 31 जनवरी तक फैसला लेना होगा। खबर के मुताबिक,

महाराष्ट्र विधायिका सचिवालय के रिकॉर्ड से पता चलता है कि कार्यवाही 6 जनवरी को शुरू हुई। उम्मीद की जा रही है कि 18 जनवरी को या उससे पहले इस मामले में शामिल सभी पक्ष गवाहों की सूची साझा करेंगे और हलफनामा दाखिल करेंगे। इस मामले में गवाहों से 20 जनवरी को जिरह यानी क्रॉस एग्जामिनेशन होगी, जबकि उत्तरदाताओं से 23 जनवरी को जिरह होगी। बता दें कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले प्रतिद्वंद्वी गुटों द्वारा एक-दूसरे के विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं पर अपना फैसला पढ़ते हुए नार्वेकर ने कहा था कि 21 जून, 2022 को जब प्रतिद्वंद्वी समूहों का उदय हुआ तो शिवसेना का एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला धड़ा ही 'असली राजनीतिक दल' (असली शिवसेना) था।

सबसे ताकतवर पासपोर्ट्स की सूची में भारत भी हुआ शामिल

नई दिल्ली ।दुनिया के सबसे ताकतवर पासपोर्ट वाले देशों की ताजा सूची में भारत भी शामिल हो गया है।मिली जानकारी के अनुसार जारी सूची में भारत 80वें स्थान पर है। वहीं, शीर्ष पायदान पर एक नहीं बल्कि 6 देश काबिज हैं। ये देश 194 स्थानों पर अपने नागरिकों को वीजा फ्री एंट्री की ताकत रखते हैं। इसमें खास बात यह है कि लिस्ट में भारत का पड़ोसी पाकिस्तान शीर्ष 100 देशों में भी शामिल नहीं है। जबकि भारत को 80वें स्थान पर रखा गया है। नागरिक 62 देशों में बगैर वीजा के यात्रा कर सकते हैं। साल 2023 में भारत इस लिस्ट में 83वें स्थान पर था। लिस्ट में भारत के साथ 80वें स्थान पर उज्बेकिस्तान का नाम भी शामिल है। भारत के एक और पड़ोसी चीन को 62वीं रैंकिंग मिली है और उसके साथ पपुआ न्यू गिनी भी इसी पायदान पर है। 104 देशों की सूची में अंतिम स्थान पर अफगानिस्तान है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की 2024 की रैंकिंग के अनुसार, पहले पायदान पर फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, सिंगापुर और स्पेन हैं। वहीं, दूसरे स्थान पर फिनलैंड, दक्षिण कोरिया और स्वीडन हैं। इन तीन देशों के पासपोर्टधारकों को 193 स्थानों पर वीजा फ्री एंट्री मिलती है। तीसरे स्थान पर ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, आयरलैंड और नीदरलैंड्स हैं। चौथा स्थान पांच देश मिलकर साझा कर रहे हैं। इनमें बेल्जियम, लक्समबर्ग, नॉर्वे, पुर्तगाल और ब्रिटेन का नाम शामिल है। जबकि, पांचवे स्थान में ग्रीस, माल्टा और स्विट्जरलैंड हैं। ताकतवर पासपोर्ट्स के लिहाज से 2024 यूरोपीय देशों के लिए खुशखबरी लेकर आया है। पहले स्थान पर दो एशियाई देशों के साथ चार यूरोपीय देश शामिल हो गए हैं।

राजनाथ सिंह का दावा, पीएम मोदी के कारण भारतीयों को निकालने के लिए रुका-यूक्रेन युद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूस के साथ युद्ध के दौरान यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को निकालने के प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की। लंदन में एक नागरिक अभिनंदन समारोह में बोलते हुए सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री फंसे हुए भारतीय छात्रों की वापसी के लिए एक सुरक्षित गलियारा सुनिश्चित करने के लिए रूस और यूक्रेन दोनों के नेताओं के साथ चर्चा में लगे हुए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मोदी के कूटनीतिक प्रयासों के परिणामस्वरूप संघर्ष में चार से पांच घंटे का ठहराव आया।

राजनाथ ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच सैन्य संघर्ष शुरू होने के बाद, यूक्रेन में पढ़ रहे हमारे बच्चों के माता-पिता उनके ठिकाने और व्यक्तिगत सुरक्षा को लेकर चिंतित थे। प्रधान मंत्री ने यूक्रेन से हमारे छात्रों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का बीड़ा उठाया। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की के साथ सगाई की। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन से भी बातचीत की कि अमेरिका का कोई भी हस्तक्षेप छात्रों की सुरक्षित वापसी में बाधा नहीं बनेगा। उनके प्रयासों की बदौलत, लड़ाई को चार से पांच घंटे के लिए रोक दिया गया, जिससे यूक्रेन से 22,000 से अधिक छात्रों को सुरक्षित निकालने में मदद मिली।

सिंह ने सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के विकास और भारत में डिजिटल उछाल में महत्वपूर्ण निवेश पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जब डिजिटल लेनदेन की बात आती है, तो भारत के अलावा किसी अन्य देश में 80 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता नहीं हैं। पूरी दुनिया ने यूपीआई के माध्यम से हमारे निर्बाध डिजिटल लेनदेन को स्वीकार किया है और इसकी सराहना की है। हमारे देश में अब तक क्ष्ठ के माध्यम से लगभग 130 लाख करोड़ डिजिटल लेनदेन हो चुके हैं।

विदेश मंत्री ने भारत के लिए कनाडा से बेहतर बताया अमेरिका

नई दिल्ली।अमेरिका और कनाडा के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि अमेरिका कनाडा के मुकाबले 'स्वतंत्रता के दुरुपयोग' पर मजबूत स्थिति रखता है।उन्होंने कहा, 'दूसरा, अमेरिका अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर इन अलगाववादी, आतंकवादी, चरमपंथी गतिविधियों को उचित नहीं ठहराता है।हमने कनाडा के मुकाबले अमेरिका को स्वतंत्रता के दुरुपयोग पर कहीं अधिक कड़ा रुख अपनाते हुए देखा है।कनाडा ने भी कई बार हमारी राजनीति में खुलेआम हस्तक्षेप किया है।हम सभी को पंजाब की घटनाएं याद हैं।मुझे लगता है कि दुनिया में एकमात्र प्रधानमंत्री जिन्होंने सार्वजनिक रूप से इस पर टिप्पणी की वह कनाडाई प्रधानमंत्री थे।मैं कहूंगा कि हमारे यहां सेब और संतरे हैं और मैं दोनों को मिलाऊंगा नहीं।' विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कनाडा और अमेरिका के साथ संबंधों में आए तनाव पर बड़ा बयान दिया है।उन्होंने इन दोनों देशों के बीच एक बड़ा अंतर समझाते हुए कहा कि कनाडा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर आतंकवादी और चरमपंथी गतिविधियों को उचित ठहराता है, जबकि अमेरिका ऐसा नहीं करता।अंग्रेजी अखबार को दिए इंटरव्यू में उन्होंने ये बात कही।दरअसल पिछले साल नवंबर में एक भारतीय नागरिक पर अमेरिका में खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था।

यूपी के बाहुबली नेता अमरमणि की संपत्ति होगी कुर्क, कोर्ट ने दी 10 दिन की मोहलत

बस्ती (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और बाहुबली नेता अमरमणि त्रिपाठी की कभी पूरे राज्य में तूती बोलती थी। बड़े बड़े दिग्गज उनके फैसले को काटते नहीं थे। लेकिन जब कवियत्री मधुमता हत्याकांड में नाम आया तो कानून के आगे उनकी पूरी हैकड़ी धरी की धरी रह गई। अब एक और नया विवाद उनके लिए मुसीबत लाया है। वो है एक व्यापारी के बेटे का अपहरण। इस 22 साल पुराने मामले में कोर्ट ने दस दिन की मोहलत देते हुए त्रिपाठी की संपत्ति कुर्क करने का आदेश दिया है। एमपी-एमएलए कोर्ट ने अमरमणि त्रिपाठी की प्रॉपर्टी कुर्क करने के लिए आदेश दिया है। इसके लिए कोर्ट ने पुलिस को 10 दिन की मोहलत दी है। इससे पहले पूर्व मंत्री ने कुर्की रोकने अपील की थी जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया है। अब कोर्ट के आदेश पर पूर्व मंत्री की चल और अचल संपत्ति पुलिस खंगाल रही है, मामले की अगली सुनवाई 20 जनवरी को होगी।

22 साल पुराने राहुल अपहरण कांड केस की सुनवाई में हाजिर नहीं होने पर अमरमणि त्रिपाठी के खिलाफ यह एक्शन लिया जा रहा है।व्यापारी के बेटे के अपहरण के मामले में 22 साल से फरार पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी को न्यायालय से कोई राहत नहीं मिली। पुलिस ने बुधवार को केस की सुनवाई के दौरान अदालत में अमरमणि की संपत्तियों की सूची प्रस्तुत की। साथ ही कुर्की के लिए कुछ और वक्त मांगा। 6 दिसंबर 2001 को व्यापारी धर्मराज मद्धेशिया के बेटे राहुल के अपहरण केस में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सप्तम/विशेष न्यायाधीश की अदालत में रिपोर्ट पेश की गई। रिपोर्ट में कहा गया कि अपहरण, साजिश, बंधक बनाने, गैंगस्टर आदि धाराओं में वांछित अमरमणि त्रिपाठी के खिलाफ चल रही कुर्की की कार्रवाई के क्रम में समस्त चल/अचल संपत्ति का ब्योरा एकत्रित किया गया है। कुर्की के लिए डीएम बस्ती से पत्राचार किया गया है। जल्द ही जिला प्रशासन के समन्वय से उन संपत्तियों को कुर्क किया जाएगा, इसके लिए अतिरिक्त समय प्रदान किया जाए। न्यायालय ने एक अवसर प्रदान करते हुए 20 जनवरी को सुनवाई के लिए तारीख तय की। इस बीच कुर्की की कार्रवाई पूरी करनी होगी।

प्रदेश में एक साथ नहीं होंगे लोकसभा-विधानसभा चुनाव: जेपी नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंडीगढ़ (ईएमएस)। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हरियाणा में संकेत ?दिए ?कि प्रदेश में एक साथ लोकसभा-विधानसभा चुनाव नहीं होंगे। वहीं हरियाणा में लोकसभा और विधानसभा चुनाव अपने-अपने पूर्व निर्धारित समय पर होने की संभावना है। चर्चा चल रही थी कि लोकसभा के साथ ही विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। इन चर्चाओं के आधार पर प्रदेश के सभी राजनीतिक दल लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव होने की रणनीति पर आगे बढ़ रहे थे। इधर भाजपा के प्रदेश नेतृत्व को पार्टी हाईकमान तथा केंद्रीय चुनाव आयोग से ऐसा कोई इशारा अभी तक नहीं मिला, जिस कारण संभावना जताई जा रही है कि राज्य में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव नहीं होंगे। गौरतलब है ?कि छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्यप्रदेश में भाजपा की जीत के बाद ही कयास लगाए जाने लगे थे कि हरियाणा विधानसभा के चुनाव लोकसभा के साथ हो सकते हैं। इसकी वजह यह है कि अक्टूबर 2024 में मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल पूरा हो रहा है, जबकि लोकसभा चुनाव अप्रैल-मई में होने हैं। लोकसभा और विधानसभा चुनाव में यदि छह माह का अंतर हो तो केंद्रीय चुनाव आयोग को एक साथ चुनाव कराने का अधिकार होता है। बता दें कि हाल ही में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा पंचकूला में आए थे। उन्होंने भाजपा की प्रदेश कोर ग्रुप और प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में ऐसा कोई संकेत नहीं दिया कि लोकसभा के साथ ही विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। हालांकि कुछ पदाधिकारियों ने इस मामले को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष से स्थिति भी साफ करने का अनुरोध किया, जिसके बाद उन्होंने कहा कि सभी लोकसभा चुनाव की तैयारी करें और 10 लोकसभा सीटों पर अपना फोकस ज्यादा करें।

निमंत्रण अस्वीकार करने पर स्मृति ईरानी ने सोनिया गांधी को लिया आड़े हाथों

-आलोचना करते हुए कहा- उन्हें भगवान राम के प्रति जरा सी भी आस्था नहीं

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का निमंत्रण ठुकराने पर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की आलोचना की है। स्मृति ने सोनिया द्वारा निमंत्रण 'अस्वीकार किए जाने की आलोचना करते हुए दावा किया कि यह उनकी भगवान राम के प्रति आस्था की कमी को दर्शाता है। पटना स्थित भाजपा के राज्य मुख्यालय में लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी के संचार नेटवर्क को मजबूत करने के लिए आयोजित एक 'मीडिया कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए स्मृति ने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि मुझे बताया गया है कि सोनिया गांधी ने 22 जनवरी के समारोह अयोध्या का निमंत्रण अस्वीकार कर दिया है। हम उनसे इससे कुछ अलग की क्या उम्मीद कर सकते हैं। उनकी राम में आस्था नहीं है ये उन्होंने प्रमाणित किया। स्मृति ईरानी ने कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि हमारे पास पीएम नरेन्द्र मोदी के रूप में एक ऐसा नेता है जो लोकतंत्र के मंदिर और राम के मंदिर के लिए समान रूप से समर्पित है। स्मृति ईरानी ने बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कांग्रेस नेताओं ने निमंत्रण स्वीकार नहीं किया है। आखिरकार, जब सोनिया गांधी पार्टी की प्रमुख थीं और वह केंद्र में सत्ता में थी, तब अदालत में दाखिल हलफनामा में कहा गया था कि भगवान राम का अस्तित्व नहीं है। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस की सहयोगी जनता दल यूनाइटेड अध्यक्ष व बिहार के सीएम नीतीश कुमार और राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद को निमंत्रण दिया जाएगा तो उन्होंने कहा, ''मैं केवल इतना कह सकती हूं कि सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस बार-बार सनातन धर्म को बदनाम करने की दोषी रही है और अब इसमें 'इंडिया गठबंधन के अन्य दल शामिल हो गए है। कार्यशाला को संबो?धित करते हुए उन्होंने 'इंडिया गठबंधन को 'अपवित्र गठबंधन बताया।

इंडिया में शामिल होने की बजाय मायावती तीसरे मोर्चे की तैयारी में जुटीं

-यूपी में नए प्लान से बढ़ीं सपा की धड़कनें, 11 सीटों पर पड़ सकता है असर

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बीच इंडिया गठबंधन में इन दिनों बसपा सुप्रीमो मायावती को शामिल करने के लिए कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं। आ रही ख़बरों के मुताबिक बसपा सुप्रीमो इन दिनों असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम पार्टी के साथ संपर्क में हैं और तीसरे मोर्चे पर काम कर रही हैं। ऐसे में राजनी?तिक हलकों में चर्चा तेज है ?कि मायावती तीसरा मोर्चा बनाने में जुटीं हैं। हालां?कि कांग्रेस बसपा सुप्रीमो से बात कर रही हैं, लेकिन इस बीच प्रदेश में तीसरे मोर्चे को सुगबुगाहट तेज हो गई हैं। माना जा रहा है कि मायावती इंडिया गठबंधन में शामिल होने को तैयार नहीं हैं, वो तीसरे मोर्चे की तैयारी कर रही हैं। दरअसल बीजेपी को हराने के लिए यूपी में इंडिया गठबंधन खुद को मज़बूत बनाने में जुटा है। अगर बसपा सुप्रीमो इस गठबंधन में शामिल होती है तो यूपी में गठबंधन को फ़ायदा हो सकता है, इसलिए इन दिनों अखिलेश यादव के सुर भी बसपा को लेकर नरम दिखाई दे रहे हैं।

जानकार तो यही बता रहे हैं ?कि कुछ भी हो, मायावती इंडिया गठबंधन को झटका दे सकती हैं। मायावती अगर अलग से मैदान में उतरती है तो इससे इंडिया गठबंधन के लिए मुसीबतें बढ़ सकती हैं। बसपा और एआईएमआईएम का गठबंधन होता है तो ये तीसरा मोर्चा पश्चिमी और पूर्वी यूपी की कई सीटों पर इंडिया गठबंधन का खेल बिगाड़ सकता है। यूपी में क़रीब ग्यारह ऐसी सीटें हैं जहां पर दलित और मुस्लिम वोटर अगर एकसाथ आते हैं तो निर्णायक भूमिका में रह सकते हैं। मायावती और ओवैसी की पार्टी अगर एकसाथ यूपी में चुनाव लड़ते हैं तो इससे कई सीटों पर असर पड़ सकता हैं। इनमें सहारनपुर की सीट शामिल हैं जहां मुस्लिम वोटर बीस फ़ीसद हैं।

इनके अलावा मुरादाबाद सीट भी 2019 में सपा ने जीती थी, लेकिन बसपा अलग रहकर इस सीट पर भी टक्कर दे सकती है। अलीगढ़ और संभल सीट पर भी मुस्लिम आबादी निर्णायक भूमिका में हैं। पूर्वांचल में घोसी, ग़ाज़ीपुर, आज़मगढ़ ऐसी सीटें हैं जहां मुस्लिम वोटर बड़ी तादाद में हैं अगर दलित वोटर इसके साथ जुड़ जाएं तो मायावती यहां बड़ा खेल कर सकती हैं।

अगर वो खुद भी न जीत पाएं तो भी वो इंडिया गठबंधन की हार की वजह बन सकती है। बता दें कि 15 जनवरी को मायावती का जन्मदिन हैं। इस दिन वो जो संदेश देंगी वहीं उनका आख़िरी फैसला होगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पलसाणा के बलेश्वर में किरण इंडस्ट्रीज में चार मजदुरों की मौत मामले में लापरवाह कंपनी प्रबंधकों और अधिकारियों पर जांच के आदेश

ग्राम पंचायत के अधिकारियों पदाधिकारियों ने किरण इंडस्ट्रीज को आर्थिक लाभ कराकर सरकारको नुकसान पहुचाने का आरोप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। जिले के पलसाना तालुका के बलेश्वर गांव में ब्लॉक नं. ३१४ प्लॉट नंबर २१४ से २२६ किरण इंडस्ट्रीज में कंपनी प्रबंधकों की लापरवाही के कारण ४ श्रमिकों की मौत के संबंध में श्रमिकों को मुआवजा देने के लिए उचित कानूनी कार्रवाई करने और कंपनी का निर्माण क्षेत्रफल कम दिखाकर सरकार की आय को नुकसान पहुंचाने के लिए कंपनी प्रबंधकों और सरकारी अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग सहकारिता, किसान नेता एवं गुजरात प्रदेश कांग्रेस महासचिव दर्शन नायक ने १५ नवंबर २०२३ को मुख्यमंत्री कार्यालय, वित्त मंत्री, उद्योग मंत्री, पर्यावरण एवं वन मंत्री, उद्योगिक सूरक्षा और सलमति विभाग, गुजरात पोल्युशन विभाग के सचिवों से कि थी। ४ जनवरी २०२४ को उप जिला विकास अधिकारी द्वारा पलसाणा तहसिल अधिकारी को इस मामले में योग्य जांच का आदेश दिया है।

दर्शन नायक का कहना है कि लोगों द्वारा हमें दी गई जानकारी के अनुसार, ब्लॉक नं. ३१४ प्लॉट नंबर २१४ से २२६ किरण इंडस्ट्रीज प्रा. लिमिटेड जिसके सभी भूखंडों का क्षेत्रफल १२,१५९.०० वर्ग मीटर है। जिसमें हरित पट्टी ५०० वर्ग मीटर है। एवं खुली जगह ४४७०.०० वर्ग मी. आरक्षित है उसे कुल क्षेत्रफल से घटाकर कुल निर्माण ७१८९

होना चाहिए। जिसका उल्लेख गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के उद्योग प्रोफ़ाइल में किया गया है जिसका सूरत पीसीबी आईडी नंबर है। ६२०७६ है। किरण इंडस्ट्रीज प्रा. लिमिटेड उत्पादन शुरू होने की तिथि ०१/०४/२०१९ अंकित की गई है। बालेश्वर समूह ग्राम पंचायत की सामान्य बैठक दिनांक २८/०२/२०२२ में प्रस्ताव क्र. ४(३४) में पंचायत की आय बढ़ाने का उद्देश्य बताते हुए २ करोड़ रुपये का आकलन किया गया है। बलेश्वर ग्रुप ग्राम पंचायत के अनुसार किरण इंडस्ट्रीज प्रा.लि. लिमिटेड का तटस्थ मूल्यांकन नहीं किया गया है। जिसके कारण सरकारी खजाने और ग्राम पंचायत की आय को भारी नुकसान पहुंचाया। इन आंकड़ों को लेकर पूर्व सरपंच ने किरण इंडस्ट्रीज को नोटिस भी दिया था। कुल १५,८८,००,०००/- (पंद्रह करोड़ अट्ठासी लाख) का १.५ प्रतिशत व्याज २३,८२,००० रुपये के लाभ का राज्य सरकार को और ग्राम पंचायत को नुकासान, २,३८,२०० का जिला पंचायत को , १,१९,१०० का तालुका पंचायतों को नुकसान हुआ है। इस प्रकार, कुल वार्षिक हानि २७,२९,३०० है। इस प्रकार, पिछले ५ वर्षों में १, ३६, ९६, ५००/- (एक करोड़ छत्तीस लाख छह हजार पांच सौ) रुपये का नुकसान सरकारश्री एवं पंचायत को हुआ है। यह गणना स्टाम्प ड्यूटी अधिनियम २०११ के तहत निर्माण की निर्धारित दर के तहत की जाती है। इसके अलावा, १४/११/२०२३ को किरण इंडस्ट्रीज के प्रबंधकों और अधिकारियों की लापरवाही के कारण ४ श्रमिकों की मृत्यु हो गई जो बहुत दुखद है। किरण इंडस्ट्रीज पिछले कई वर्षों से बलेश्वर गांव और आसपास के गांवों में प्रदूषण फैला रही है। इस इकाई ने ईटीपी के भूमिगत टैंक बनाए हैं जो लगभग ४० से ५० फीट गहरे हैं। हालाँकि इस टैंक की क्षमता केवल एक व्यक्ति के घूमने की है, लेकिन इस इकाई के प्रबंधकों ने इस टैंक को साफ करने के लिए ४ कर्मचारियों को नियुक्त किया। ऐसे में स्थानीय लोगों का मानना है कि मैनेजर और कंपनी के अधिकारियों की लापरवाही के कारण इन चारों मजदूरों की मौत हुई है।

उपरोक्त सहायक साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए प्रथम दृष्टया यह साबित होता है कि ग्राम पंचायत बालेश्वर के अधिकारी और पदाधिकारी अपने कर्तव्य का निर्वहन करने और सरकारी संपत्ति और उसके राजस्व को संरक्षित और बनाए रखने में पूरी तरह से विफल रहे हैं। साथ ही तमाम जानकारियों और सबूतों के बावजूद पिछले कई सालों से यूनिट को बिना उचित मूल्यांकन के आंख मूंदकर अवैध लाभ दिया जा रहा है। वहीं ग्रामीणों के बीच चल रही अफवाहों के मुताबिक ग्राम पंचायत बलेश्वर के अधिकारी बलेश्वर गांव की इकाइयों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार कर रहे हैं।जिसके कारण सारी जानकारी होने के बावजूद भी गलत तरीके से अवैध तरीके से कम मूल्यांकन कर पंचायत अधिनियम और अन्य संबंधित कानूनों के प्रावधानों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। इसलिए हमारी मांग है कि ग्राम पंचायत बालेश्वर के अधिकारियों और पदाधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। ४ जनवरी २०२४ को उप जिला विकास अधिकारी द्वारा पलसाणा तहसिल अधिकारी को इस मामले में योग्य जांच का आदेश दिया है।

सीएमए फाउंडेशन परीक्षा दिसंबर २०२३ के परिणाम घोषित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएमएआई) ने दिसंबर महीने में आयोजित सीएमए फाउंडेशन दिसंबर २०२३ परीक्षा के परिणाम घोषित किए। नतीजा यह हुआ कि रवि छावछरिया इंस्टीट्यूट के ९५ फीसदी छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। जिसमें विक्की पटेल ने ४०० में से ३८८ (९७त्न) अंक हासिल किए और सूरत में प्रथम स्थान पर रहे।मयंक मेहता ने ३७०/४०० (९२.५त्न) स्कोर किया और सूरत में दूसरे स्थान पर रहे।प्रथम चोरावाला ने ३६८ (९२त्न) स्कोर किया और सूरत में तीसरे स्थान पर रहे। सहर्ष अग्रवाल ने ३६४, मनीष सोमानी ३६०अंक हासिल करकेफाउंडेशन परीक्षा उत्तीर्ण की। रवि छावछरिया संस्थान के ३० से अधिक छात्रों ने ३०० से अधिक अंक प्राप्त किए जो किसी भी संस्थान के लिए एक दुर्लभ उपलब्धि है।

स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रथम क्रम प्राप्त करने की खुशी में सूरत महानगर भाजपा कार्यालय में अध्यक्ष निरंजन झांझमेरा द्वारा शहर की जनता का आभार जताते हुए पदाधिकारियों के साथ मिठाई बांटी।

केंद्रीय कैबिनेट मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नेमटेक का दौरा किया और भारत के तकनीकी शैक्षिक परिदृश्य को सशक्तबनाने में इसकी भूमिका की सराहना की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन २०२४ में भाग लेने के लिए गुजरात की संक्षिप्त यात्रा पर आए हुए केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) द्वारा एक शैक्षिक पहल द न्यू एज मेकर्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनएएमटेक) का आज आईआईटी गांधीनगर, रिसर्च पार्क में दौरा किया।

भारत सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति, २०२० (एनईपी) के केंद्र में भारतीय स्नातकों की रोजगार क्षमता को बढ़ाने की दृढ़ महत्वाकांक्षा है, जिसमें तकनीकी कौशल और सॉफ्ट स्कील्स दोनों पर जोर दिया गया है। मंत्री प्रधान ने अपना विश्वास व्यक्तकिया कि नेमटेक का दूरदर्शी दृष्टिकोण एनईपी के उद्देश्य के साथ सहजता से मेल खाता है, जो गहन, सहज शिक्षण पर केंद्रित एक अत्याधुनिक संस्थान स्थापित करने का प्रयास करता है।

मंत्री प्रधान ने विशाल नेमटेक परिसर की अपनी यात्रा के दौरान एक व्यापक दौरा किया, संस्थान की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की मुलाकात की और छात्रों के साथ व्यावहारिक बातचीत की। छात्रों को संबोधित करते हुए, उन्होंने भारत को उज्जवल भविष्य की ओर ले जाने के लिए तकनीकी पेशेवरों की एक पीढ़ी को तैयार करने की संस्थान की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

नेमटेक के व्यापक सामाजिक आउटरीच कार्यक्रमों की सराहना करते हुए, मंत्री प्रधान ने देश भर में आईटीआई और डिप्लोमा कॉलेजों में पढ़ने वाले तकनीशियनों को उन्नत करने के लिए संस्थान के ठोस प्रयासों की सराहना की। तकनीशियनों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से यह रणनीतिक दृष्टिकोण, भारत के तकनीकी वर्कफोर्स को मजबूत करने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए दृढ़ समर्पण को दर्शाता है।

जैसा कि नेमटेक ने शिक्षा और कौशल विकास में उत्कृष्टता के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता शुरू की है, मंत्री प्रधान ने उन पहलों के प्रति सरकार के दृढ़ समर्थन को दोहराया जो एक उज्जवल, अधिक सशक्त भारत का मार्ग प्रशस्त करता हैं।

केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से, नेमटेक जैसे संस्थान राष्ट्र निर्माण पर गहरा प्रभाव डालेंगे। नेमटेक की आकांक्षाएं भारत के शैक्षिक परिदृश्य को बदलने वाले संस्थानों के बारे में प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती हैं। कुशल पेशेवर की कैडर को बढ़ावा देकर, नेमटेक आने वाले वर्षों में भारत के विकास पथ का नेतृत्व करने और देश के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है।''

नेमटेक बोर्ड सदस्य और एएमएनएस इंडिया और एसई एशिया के वीपी बिजनेस डेवलपमेंट श्री संजय शर्मा ने बताया कि, ''हम अपनी यात्रा और हमारे दृष्टिकोण के प्रति अमूल्य प्रोत्साहन के साथ हमें सम्मानित करने के लिए मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। उनकी अंतर्दृष्टि और समर्थन नवीन शिक्षा के माध्यम से भारत के युवाओं को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हैं। हम सरकार से निरंतर समर्थन और सहयोग की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं क्योंकि हम कुशल कार्यबल को बढ़ावा देने और देश के विकास में योगदान देने के अपने मिशन को साकार करने का प्रयास कर रहे हैं।''

स्वच्छता सर्वेक्षण-२०२३ में सूरत को देश के सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत देश का सबसे स्वच्छ शहर है। स्वच्छता सर्वेक्षण-२०२३ में सूरत को देश के सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार मिला है। पिछले कुछ समय से सूरत नगर निगम देश भर में स्वच्छता में नंबर वन बनने के लिए अभियान चला रहा है। लेकिन सूरत हमेशा दूसरे नंबर पर आता था। इस बार सूरत नगर निगम ने टीम वर्क दिखाया है और मिलजुल कर काम करके अपनी उपलब्धि हासिल की है। दिल्ली के भारत मंडपम में स्वच्छता सर्वेक्षण-२०२३ के पुरस्कारों में देशभर के शहरों की रैंकिंग में सूरत को नंबर एक स्थान मिला है। महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के हाथों महापौर दक्षेश मावानी और नगर निगम आयुक्तशालिनी अग्रवाल ने पुरस्कार स्वीकारा।

पूरे कार्यक्रम का सूरत नगर निगम में सीधा प्रसारण किया गया। इसके बाद कर्मचारियों व पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को बधाई दी। साथ ही सफाई कर्मचारी और एनजीओ भी इस कार्यक्रम से जुड़े। पिछले तीन वर्षों से सूरत को जो दुसरा रेटिंग मिल रहा था। इस अवसर को आईसीसीसी की विशाल एलईडी स्क्रीन वॉल पर एक साथ देखने की योजना नगर निगम द्वारा बनाई गई थी। जैसे सूरत के नाम की घोषणा हुई सभी पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी भावनाएं व्यक्तकीं।

गुजरात बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने स्वच्छता पर बहुत जोर दिया था। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी नरेंद्र भाई पूरे देश में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए स्वयं हाथ में झाड़ू लेकर निकल पड़े। इससे पूरे देश में काफी जागरूकता आई। सूरत ने भी सफाई अभियान के लिए मोदी साहब से प्रेरणा ली। वर्षों पहले सूरत गंदगी के साम्राज्य के रूप में बदनाम था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से सूरत स्वच्छता में दूसरे स्थान पर है। काफी प्रयास के बाद भी दूसरा नंबर आने का मलाल भी था। इस बार सूरत के लोगों और नगर निगम की टीम वर्क ने कारण पहला रेकिंग मिला।

आगे कहा गया कि इस बार जब नरेंद्र मोदी सूरत डायमंड बुर्स का उद्घाटन करने आए थे, उससे एक हफ्ते पहले उनका आदेश था कि एक हफ्ते तक पूरे सूरत की सफाई की जाए। सूक्ष्म सफाई अभियान निगम के अधिकारियों, पदाधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों द्वारा सड़कों पर सफाई अभियान चलाने का परिणाम आज हमें मिला है। आज सूरत ने पहली बार देश में स्वच्छता में पहला नंबर हासिल किया है। सभी सूरतियों, निगमों से मेरी विनम्र अपील है कि वे इस क्रम को बनाए रखें।

हमारी पूरी टीम काम में लग गयी दिल्ली में आयोजित एक समारोह में सूरत मेयर और नगर आयुक्त द्वारा प्रमाण पत्र और पुरस्कार स्वीकार किए गए। सूरत के नंबर पर गर्व व्यक्त करते हुए मेयर दक्षेश मवानी ने कहा कि सूरत नगर निगम शहर को साफ रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। शहरवासियों से बार-बार अपील की गई। उन्होंने स्वच्छता में अपना सहयोग दिया और हमारी पूरी टीम जुट गयी। जिसमें नगर पालिका के छोटे से छोटे कर्मचारी सहित सभी नागरिकों का सहयोग मिला है। इसलिए मैं सभी सूरतियों को यह रैंक देता हूं।

हमारा लक्ष्य शहर को कचरा मुक्तबनाना है स्थायी समिति के अध्यक्ष राजन पटेल ने कहा, ''हम लंबे समय से एक नंबर के लिए प्रयास कर रहे थे। इसके लिए हमारे सभी अधिकारी, पदाधिकारी समेत टीम इस काम में लगी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर हमारा लक्ष्य शहर को कचरा मुक्तबनाना है। इसके लिए ये हमारा पहला कदम है, हमें अभी ये क्रम बरकरार रखना है।

सूरत के कई एनजीओ का सहयोग मिला पूर्व महापौर हेमाली बोघावाला ने कहा, सबसे पहले सूरत के सभी निवासियों को और सूरत निगम के सभी सफाई कर्मचारियों को भी बधाई। खासकर डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन की बात करें तो निगम की ओर से सूखा और गीला कूड़ा भी अलग-अलग किया जाता था। इससे हमें काफी राहत मिली।' इसके अलावा हमें सूरत के कई एनजीओ का भी सहयोग मिला है। जहां-जहां कचरे के ढेर थे, उसे उचित स्थान पर डंप कर निस्तारित किया गया है।

कूड़ा उठाने से लेकर सड़क की सफाई तक पर ध्यान दिया गया सूरत नगर निगम ने सूरत को कचरा मुक्तशहर बनाने के लिए बड़े प्रयास किए हैं। सूरत की ४ लेन सड़क की दिन में दो बार स्वीपर मशीन से सफाई की जा रही है। इसके अलावा कपड़ा, हीरा बाजार समेत व्यावसायिक क्षेत्र में स्वीपर मशीन के संचालन पर जोर दिया गया है। एक औद्योगिक शहर होने के कारण सूरत में कई चुनौतियाँ भी थीं। सूरत में जनसंख्या घनत्व भी बहुत अधिक है और इसका प्रचलन भी दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। कई चुनौतियों का सामना करते हुए, सूरत नगर निगम ने योजनाबद्ध तरीके से काम करके आखिरकार यह उपलब्धि हासिल की है।

विवाह पंजीकरण अधिनियम में संशोधन के लिए विधायक कानानी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वराछा से विधायक कुमार कनानी लगातार अपने पत्रों को लेकर चर्चा में हैं। एक बार फिर कुमार कानानी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। जिसमें इस बार उन्होंने ये मांग गुजरात विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष रमनलाल वोरा के समर्थन में की है। जिसमें उन्होंने विवाह पंजीकरण कानून में बदलाव करने की मांग की है। रमनलाल वोरा ने विवाह पंजीयन में पिता के हस्ताक्षर अनिवार्य करने की मांग की है। तो इस मुद्दे पर फिर से चर्चा शुरू हो गई है। कुमार कानानी रमनलाल वोरा के समर्थन में आ गए हैं। उन्होंने रमनलाल वोरा की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि यह बहुत जरूरी है कि शादी में पिता का सहयोग भी जरूरी हो। कुमार कानानी ने कहा कि बेटियों को बरगला कर विवाह पंजीकरण पर हस्ताक्षर कराया जा रहा है।उसके पिता की सहमति अनिवार्य कर दी जाए तो लव जिहाद समेत अन्य मामलों में कमी लाई जा सके। ताकि अगर पिता की सहमति अनिवार्य कर दी जाए तो यह समस्या काफी हद तक कम हो सकती है। इसलिए कानून में बदलाव जरूरी है।